राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,१३ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३१४ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

बिल्ली और कुत्ते जैसे जानवरों को भी कोरोना संक्रमण का खतरा, स्टडी में मिले सबूत

नई दिल्ली। एक नये अध्ययन के अनुसार मनुष्यों के बाद कोरोना वायरस संक्रमण की दृष्टि से जानवर भी अतिसंवेदनशील हैं। इस अध्ययन में वायरस के प्रति संवेदनशीलता को लेकर दस अलग-अलग प्रजातियों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के अनुसार मनुष्यों के बाद कोरोना वायरस से संक्रमित होने का अधिक खतरा बिल्लियों, कस्तूरी बिलाव (सीवेट) और कुत्तों जैसे जानवरों में देखा गया है।

जर्नल पीएलओएस कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी में प्रकाशित इस अध्ययन के निष्कर्षों में पाया गया है कि मनुष्यों की तुलना में बतख, चूहों, सूअर और मुर्गियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने का खतरा कम था या खतरा नहीं पाया गया जबकि बिल्लियों, कस्तूरी बिलाव और कुत्तों में सार्स-सीओवी-2 संक्रमण का अधिक खतरा देखा गया।

स्पेन के बार्सिलोना में सेंटर फॉर जीनोमिक रेगुलेशन (सीआरजी) के सह-लेखक लुईस सेरानो ने कहा कि वैज्ञानिकों ने बिल्लियों को कोरोना वायरस के संक्रमण के लिहाज से संवेदनशील पाया। उन्होंने कहा कि मनुष्यों के साथ ही बिल्लियों में भी वैसी स्थितियां नहीं पाई गईं जो अन्य जानवरों में मौजूद है। उन्होंने यह भी समझाया कि लोगों के अपने पालतू जानवरों द्वारा संक्रमित होने के कोई ज्ञात मामले क्यों नहीं हैं।

अध्ययन में, वैज्ञानिकों ने परीक्षण के लिए कंप्यूटर मॉडलिंग का उपयोग किया कि कोरोना वायरस अपने स्पाइक प्रोटीन का उपयोग कैसे करता है, जो विभिन्न जानवरों की कोशिकाओं में घुसने के लिए वायरस की सतह से फैलता है।

देश में फिर गरमा सकता है CAA और NRC का मुद्दा

नागरिकता कानून के नियम बना रही सरकार, जनवरी तक लागू होने के संकेत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बहुचर्चित नागरिकता कानून के नियम तैयार कर रही है। गृहमंत्रालय ने एक आरटीआई के जवाब में यह जानकारी दी है। पिछले साल सरकार ने दोनों सदनों में नागरिकता संशोधन बिधेयक को पास करा लिया था, जिसके अगले दिन 12 दिसंबर को राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर करके इसे अंतिम स्वीकृति दे दी थी। हालांकि अभी तक नियम तैयार करने की प्रक्रिया पूरी न हो पाने से नागरिकता कानून अप्रभावी बना हुआ है। नियम तैयार होने के बाद इसकी अधिसूचना जारी हो जाएगी और देशभर में नागरिकता कानून लागू हो जाएगा। इसी बीच कानून को लेकर पूर्वोत्तर से एकबार फिर विरोध के स्वर उठने लगने लगे हैं जो सरकार की चिंता बढ़ा सकता है।

भाजपा ने दिए संकेत, जनवरी तक लागू हो सकता सीएए

भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल में कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम अगले साल जनवरी से लागू होने की संभावना है। केंद्र सरकार और भाजपा पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में शरणार्थी आबादी को नागरिकता देने की इच्छुक है। साथ ही अप्रत्याशित रूप से उन्होंने घोषणा की थी कि संभावना है कि अगले साल जनवरी से सीएए के तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करना शुरू हो जाएगा।

पश्चिम बंगाल और असम चुनाव में बन सकता मुद्दा

अगले साल पश्चिम बंगाल और असम के विधानसभा चुनाव हैं। इन दोनों राज्यों में शरणार्थियों को नागरिकता देने का मुद्दा अहम रहा है क्योंकि इन

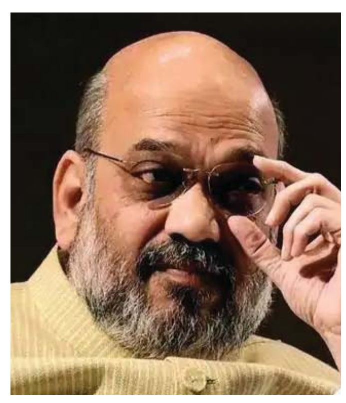

दोनों राज्यों की सीमाएं बांग्लादेश से मिलती हैं। ऐसे में विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इन चुनावों से पहले नागरिकता संशोधन अधिनियम को पूरी तरह लागू करा दिया जाएगा।

असम में एनआरसी का मुद्दा भी फिर गरमाया

असम में एनआरसी का मुद्दा फिर गरमा गया है। दरअसल, असम में पिछले साल राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर या एनआरसी की सूची प्रकाशित की गई थी। जिसमें 19 लाख से अधिक लोगों को बाहर कर दिया गया, ये ऐसे लोग हैं जो अपनी नागरिकता साबित नहीं कर पाए। अब इस सूची को असम सरकार ने अंतिम सूची के बजाय सप्लीमेंट्री सूची बताया है। हाल में एक याचिका की सुनवाई के जवाब में असम सरकार ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय को जानकारी दी कि पिछले साल प्रकाशित हुई एनआरसी सूची, एक सप्लीमेंट्री लिस्ट थी और एनआरसी की अंतिम सूची आना बाकी है। स्टेट समन्वयक की ओर से अदालत को बताया गया कि 31 अगस्त 2019 को छपी सूची में दस हजार नाम फर्जी तरीके से हटा अथवा जोड़ दिए गए। अब इस सूची से 4800 से अधिक अयोग्य नामों हो हटाया जाएगा।

पूर्वोत्तर के छात्रों ने कालादिवस मनाया

नार्थ ईस्टर्न स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसु) समेत कई संगठनों ने शुक्रवार को नागरिकता संशोधन कानून के संसद से पास होने की वर्षगांठ को काला दिवस के रूप में मनाया। नार्थ ईस्टर्न स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन में पूर्वोत्तर के सात राज्यों के आठ छात्र संगठन शामिल हैं। सीएए के खिलाफ पिछले साल शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पूर्वोत्तर के पांच छात्रों की मौत हो गई थी।

क्या है नागरिकता कानून?

संशोधित नागरिकता कानून के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के छह गैर-मुस्लिम समुदाय के लोगों को धर्म के आधार पर नागरिकता देने का प्रावधान है जो 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आए हैं। शाहीनबाग समेत कई आंदोलन हुए- सीएए के खिलाफ दिल्ली के शाहीनबाग में मुस्लिम महिलाओं के नेतृत्व में आंदोलन शुरू हुआ जो पूरे विरोध प्रदर्शनों का केंद्र बन गया। जामिया हिंसा, अलीगढ़ विश्वविद्यालय हिंसा और दिल्ली दंगे भी इसी कड़ी की घटनाएं हैं।

140 याचिकाओं को सुनवाई का इंतजार- सर्वोच्च न्यायालय में नागरिकता संशोधन कानून को चुनौती देने वाली 140 से अधिक याचिकाएं दायर हैं पर अभी उनपर सुनवाई नहीं हुई है। अमेरिका बनाए है नजर- अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता कमेटी के अमेरिकी राजदूत सैम ब्राउनबैक ने गुरुवार को कहा कि नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों पर अमेरिका भारत पर लगातार करीबी नजर बनाए हुए है।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी राम मंदिर की झांकी, राजपथ पर गरजेगा राफेल लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में अयोध्या की भी झांकी नजर आ सकती है, जिसमें राम मंदिर के मॉडल को भी प्रदर्शित किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय विभिन्न प्रदेशों की झांकियों को जल्द मंजूरी देगा। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश से अयोध्या की झांकी का प्रस्ताव किया गया है। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर अयोध्या थीम पर आधारित होगी। इस झांकी में अयोध्या में होने वाला दीपोत्सव भी दर्शाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, झांकी के दौरान अयोध्या में होने वाली अनवरत रामलीला के मंचन का दृश्य होगा। इसके अलावा राफेल लड़ाकू विमान को भी परेड में शामिल किया जा सकता हैं। आपको बता दें कि इसी साल राफेल लड़ाकू विमान का दो जत्था फ्रांस से भारत आया है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी साल कोरोना संक्रमण के बीच अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लिए भूमि पूजन किया था। राम मंदिर निर्माण बीजेपी के घोषणा पत्र में रहा है। पार्टी राम मंदिर का निर्माण अपनी सरकारी की उपलब्धि मानती है। इतना ही नहीं राफेल डील को लेकर भी मोदी सरकार पर विपक्ष ने कई आरोप लगाए, बावजूद

सरकार पीछे नहीं हटी। हाल ही में इसे वायुसेना के बेरे में शआमिल किया गया। पिछले साल के गणतंत्र दिवस की परेड में चिनूक और अपाचे हेलीकॉप्टर आकर्षण का मुख्य केंद्र थे। ये दोनों हेलीकॉप्टर पहली बार फ्लाईपास्ट में हिस्सा लिए। अमेरिका में बना 'चिनूक' हेलीकॉप्टर को पिछले साल यानी मार्च 2019 में वायुसेना में शामिल किया गया था। भारतीय वायुसेना के पास इस समय 4 'चिनूक' हेलीकॉप्टर हैं।

अमित और प्रिया के 3 मंजिले मकान में 6 फ्लैट सील, ताला तोड़कर अंदर घुसे अधिकारी

भागलपुर। सृजन घोटाला के मुख्य आरोपी अमित कुमार और रजनी प्रिया की न्यू विक्रमशिला कॉलोनी में ही दूसरी संपत्ति शुक्रवार को जब्त हुई। सीबीआई अधिकारियों की मौजूदगी में दो कट्ठे में बने तीन मंजिले मकान और उसके अंदर के सामान को जब्त किया गया। मौके पर जगदीशपुर के सीओ संजीव कुमार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। अमित और प्रिया की संपत्ति सील करने की प्रक्रिया गुरुवार से ही शुरू हो गई है। पहले दिन इसी मोहल्ले में एक घर को सील किया गया था। दूसरे दिन न्यू विक्रमशिला कॉलोनी के प्राणवती लेन के रोड नंबर दो में स्थित इस मकान को सील किया गया। हालांकि यह मकान भी पहले मकान की तरह पूरी तरह खाली था। अंदर सिर्फ एक फ्रिज मिला। गैरेज में एक ओमनी कार लगी थी, जिसपर एलपीयू लिखा था। दोपहर एक बजे सीबीआई अधिकारी मकान का ताला तुड़वाकर जगदीशपुर सीओ और अन्य अधिकारियों के साथ अंदर घुसे। इस तीन मंजिले मकान में छह

अमित और प्रिया की संपत्ति सील करने की प्रक्रिया गुरुवार से ही शुरू हो गई है। पहले दिन इसी मोहल्ले में एक घर को सील किया गया था। दूसरे दिन न्यू विक्रमशिला कॉलोनी के प्राणवती लेन के रोड नंबर दो में स्थित इस मकान को सील किया गया।

फ्लैट बने हैं और सबके सब खाली हैं। बताया गया कि जिस समय तक सीबीआई ने इश्तेहार चिपकाया था उस समय तक इस मकान के सभी फ्लैट में किरायेदार रहते थे, लेकिन इश्तेहार चिपकाने के बाद किरायेदार मकान खाली कर चले गए। पूरे मकान में सात जगहों पर ताला लगा था। एक-एक ताला को तोड़ा गया। पहले तो मकान खोलकर अंदर एक-एक चीज की जांच की गई। बाद में ताला जड़कर उसपर सील-मुहर लगायी गयी। इसके बाद एक बैनर भी चस्पा किया गया, जिसपर जिला दंडाधिकारी के आदेशानुसार लिखा था- वाद संख्या आरसी 2172017ए0016/एसी-2 नई दिल्ली में पारित आदेश के आलोक में सीआरपीसी की धारा 83 के तहत अधिग्रहीत संपत्ति। शाम के साढ़े चार बज गए सभी अधिकारी इंवेट्री बनाने और आवश्यक दस्तावेज तैयार करने में जुटे रहे। इसी मोहल्ले में एक खाली प्लॉट भी है जिसपर एक झोपड़ी बना है।शुक्रवार को यह संपत्ति भी सील की जानी थी, लेकिन समय नहीं मिलने के कारण अधिकारी वहां नहीं जा सके। अभी अमित और प्रिया की 13 संपत्ति और है जिसे सील किया जाना है। इसमें से दो संपत्ति न्यू विक्रमशिला कॉलोनी में ही है। इसके अलावा वार्ड नंबर 20 में भी कई संपत्तियां हैं। शनिवार को भी संपत्ति सील करने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

कृषि कानूनों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे किसानों ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। भारतीय किसान यूनियन की ओर से दायर याचिका में कहा है कि नए कानून उन्हें कॉर्पोरेट लालच का शिकार बना देंगे। सरकार से कई दौर की बातचीत और संशोधन प्रस्ताव खारिज करने के बाद किसानों ने एक तरफ आंदोलन तेज करने का फैसला किया है तो दूसरी तरफ उन्होंने न्यायपालिका का भी सहारा लिया है। किसानों ने यह कदम केंद्र सरकार के उस प्रस्ताव को खारिज करने के बाद उठाया है जिसमें मोदी सरकार ने कहा है कि वह कानून के उन प्रावधानों में संशोधन को तैयार है जिनको लेकर उन्होंने आपत्ति जताई है। सरकार ने एमएसपी पर लिखित में भरोसा देने की बात कही है तो यह भी आश्वासन दिया है कि कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग में करार केवल फसल के लिए होगा, इसलिए जमीन पर कोई कब्जा नहीं कर सकता है। हालांकि, किसान कानूनों को वापस लेने पर अड़ गए हैं। किसानों ने कहा है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे रेल पटरियों को भी जाम कर देंगे और इसको लेकर जल्द ही तारीख का ऐलान करेंगे। राजधानी दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा है कि वे 14 दिसंबर को देशव्यापी प्रदर्शन करेंगे और 12 दिसंबर से दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे को भी ब्लॉक कर देंगे। केंद्र सरकार के कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को भी कहा कि किसानों को आंदोलन छोड़कर बातचीत करनी चाहिए। कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने कहा कि सरकार को मीडिया से ही पता चला है कि किसानों ने सरकार द्वारा नए कृषि कानूनों पर भेजे गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। मालूम हो कि सरकार ने हाल ही में एक 20 पन्नों का प्रस्ताव किसानों के पास भेजा था। इस प्रस्ताव में कानून में कई प्रकार करने के संशोधन की बात की गई थी।

अब भारत में भी बनेगा मोबाइल फोन का स्क्रीन, नोएडा में लगेगी फैक्ट्री

लखनऊ। अब सैमसंग मोबाइल फोन का स्क्रीन (ग्लास) यही बनाएगा। वियतनाम, चीन के बाद भारत तीसरा देश होगा जहां सैमसंग स्क्रीन बनाने जा रहा है। शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में ये निर्णय लिया गया। इसकी फैक्ट्री नोएडा में लगाई जाएगी। इसमें सैमसंग लगभग पांच हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगा। स्क्रीन यहां बनने के बाद मोबाइल की कीमते कम हो जाएंगी। सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्रा. लिमिटेड के नाम से

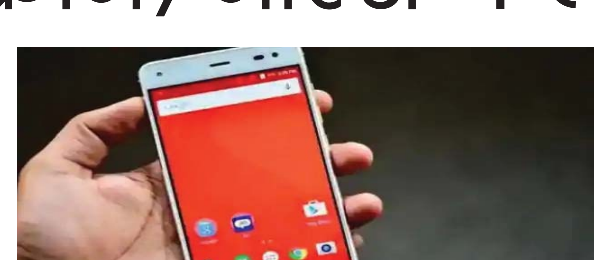

यह फैक्ट्री सैमसंग इण्डिया इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड के परिसर में ही लगाई जाएगी। सैमसंग चीन से अपनी फैक्ट्री यहां स्थानांतरित कर रहा है। राज्य सरकार की इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण नीति में पुरानी मशीनों को यहां लगाने पर भी सहमति दी गई है। आईटी व इलेक्ट्रॉनिक विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने यह जानकारी दी है। राज्य सरकार नीति के तहत 250 करोड़ रुपए की कैपिटेल सब्सिडी देगी। इसमें 150 करोड़ नीति के तहत और 100 करोड़ रुपए अलग से दिए जाएंगे। वहीं सरकार स्टाम्प ड्यूटी में भी छूट देगी। स्टाम्प ड्यूटी में छूट जमीन पर मिलती है लेकिन सैमसंग को बनी हुई बिल्डिंग पर भी यह छूट दी जाएगी। इसके अलावा नोएडा विकास प्राधिकरण भी कई तरह की छूट सैमसंग को देगा। नीति के मुताबिक जियो लिक्विड डिस्चार्ज बनाने से भी प्रदूषण कल्याण बोर्ड ने छूट दी है। इसे बनाने में 25-30 करोड़ रुपए की लागत लगती है। एक अक्टूबर से स्क्रीन के आयात पर 10 फीसदी की कस्टम ड्यूटी लग गई थी इसके चलते मोबाइल के महंगे होने की संभावनाएं बढ़ गई थीं। लेकिन अब सैमसंग के यहां स्क्रीन बनाने के बाद अन्य मोबाइल निर्माता कम्पनियों को भी इसका लाभ मिलेगा। यहां ओलेड तकनीक से स्क्रीन बनाए जाएंगे। भविष्य में यहां लैपटॉप, टैबलेट, टीवी आदि की स्क्रीन बनने की भी संभावना है।

कोरोना का टीका लगवाने के बाद शराब पी तो वैक्सीन हो जाएगी बेअसर, अल्कोहल से कम होती है प्रतिरोधक क्षमता

नई दिल्ली। कोरोना से बचाव का टीका लेने के बाद शराब पीने की आदत वैक्सीन को बेअसर कर सकती है। इसलिए टीकाकरण के दो महीने बाद तक शराब से परहेज करना चाहिए। सुनने में अजीब है लेकिन यह सलाह रूस के उपप्रधानमंत्री ततियाना गोलिकोवा ने जारी की है, जहां हाल में लोगों को स्पूतनिक-V वैक्सीन की खुराक देनी शुरू की गई है।

गोलिकोवा के अनुसार, यह कोविड-19 के मरीजों के लिए बीमारी दूर करने वाला उपाय है। इस सलाह का मकसद लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाए रखना है। टीकाकरण के दो महीने बाद वैक्सीन अपना काम करना शुरू करेगी। ऐसे में दो महीने तक टीका लेने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें खान-पान में विशेष एहतियात के साथ-साथ भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचना चाहिए। साथ ही सैनेटाइजर और मास्क अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करना चाहिए।

रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के गमालिया इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी के प्रमुख एलेक्जेंडर गिन्ट्सबर्ग के अनुसार, शराब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को कम कर देती है। टीका लेने के बाद लोग अगर शराब का सेवन करेंगे तो इससे टीके का प्रभाव कम हो सकता है। साथ ही टीके का प्रभाव खत्म होने की भी आशंका है।

कंज्यूमर सेफ्टी वॉचडॉग की प्रमुख अन्ना पोपोवा ने कहा, कोविड19 स्ट्रेन को खत्म करने और अपने स्वास्थ्य के लिए शराब बिल्कुल न पीएं। यह हम सभी का भविष्य सुरक्षित करेगा।

शराब के शौकीनों में रूसी चौथे नंबर पर

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस दुनिया में चौथा ऐसा देश है जहां सबसे अधिक शराब का सेवन किया जाता है। एक सामान्य रूसी व्यक्ति सालभर में 15 लीटर (करीब 4 गैलन) से अधिक शराब पी जाता है। यही वजह है कि सरकार की ओर से जारी शराब न पीने की सलाह का देश में विरोध शुरू हो गया है। विरोध में यहां तक कहा जा रहा है कि शराब नहीं पीने से अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा और वैक्सीन के प्रति लोगों की राय भी बदलेगी।

टीके के बावजूद संक्रमण के मामले-रूस ने पिछले सप्ताह मॉस्को से स्पूतनिक-ङ्क वैक्सीन देने की शुरुआत की है। अब तक एक लाख लोगों को टीका दिया जा चुका है। यहां के स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि वैक्सीन 90 फीसदी तक कारगर है लेकिन कुछ रिपोर्ट के मुताबिक, टीके के बावजूद कुछ स्वास्थ्यकर्मियों में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आए हैं।

भारत में बनेंगी रूसी वैक्सीन की 10 करोड़ डोज-रूस में तैयार हुई कोरोना वायरस वैक्सीन स्पूतनिक-V का उत्पादन भारत में भी होगा। इसके लिए हेटरो ग्रुप के साथ करार किया गया है। रशियन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) के अनुसार, दोनों कंपनियां मिलकर हर साल करीब 10 करोड़ डोज तैयार करेंगी। भारत में दिग्गज फार्मा कंपनी डॉ. रेड्डी लैबोरेटरीज इस वैक्सीन का ट्रायल करने जा रही है। देश में इस वैक्सीन का दूसरे और तीसरे चरण का ट्रायल किया जाना है।

भारत में सालाना प्रति व्यक्ति खपत 4.3 लीटर-

देश	खपत
भारत	4.3
फ्रांस	12.2
ऑस्ट्रेलिया	12.2
आयरलैंड	11.9
जर्मनी	11.8
ब्रिटेन	11.6
कनाडा	10.2
अमेरिका	9.2

(खपत लीटर में, डब्ल्यूएचओ के अनुसार)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ऐसे पूंजीवाद पर लगाम

अमेरिकी संघीय व्यापार आयोग और लगभग हरेक अमेरिकी राज्य ने फेसबुक के खिलाफ मुकदमे दायर कर दिए हैं, इससे दुनिया भर में जो संदेश गया है, उसके गहरे निहितार्थ हैं। फेसबुक की पहचान अमेरिका में एक ऐसी कंपनी के रूप में हो रही है, जो प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को शांत करने के लिए कुख्यात है। अमेरिका जैसे पूंजीवादी देश में राज्य सरकारें भी परेशान हैं कि यह कंपनी अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ती है। इसका पुराना तरीका है, बाजार में जो भी प्रतिद्वंद्वी उभरे, उसे या तो खरीदकर मिला लो या फिर दफ्न कर दो। धीरे-धीरे अमेरिकी उद्योग जगत के तमाम छोटे-बड़े खिलाड़ियों को यह बात समझ में आ गई है। अब जब विधिवत फेसबुक के खिलाफ मुकदमे चलेंगे, तब उसे न केवल अपने उद्यमों से हाथ धोना पड़ेगा, बल्कि अपनी साम्राज्यवादी मानसिकता को भी काबू में रखना पड़ेगा। अमेरिका में भी तमाम लोग अब यह समझने लगे हैं कि सब कुछ कब्जा लेने की मानसिकता वाले खतरनाक पूंजीवाद पर लगाम लगाना बहुत जरूरी है। अमेरिका में यह एहसास भी गहराता जा रहा है कि दैत्याकार कंपनियों की वजह से नई कंपनियों को उभरने में समस्या आ रही है। नवाचार के रास्ते बंद हो रहे हैं। उद्यमी युवाओं को पूरी तरह से उभरने के पहले ही उनके स्टार्टअप या उद्यम को मुंहमांगे दाम पर खरीद लेने की गलत परंपरा आगे बढ़ रही है। जो युवा नई कंपनी बनाकर ढंग से उसे चला सकते हैं, वे भी लाचार हैं। सवाल उठने लगे हैं कि क्या अमेरिका में कोई दूसरा जकरबर्ग पैदा नहीं हो सकता? आर्थिक विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि किसी कंपनी का बहुत बड़ा होना गलत नहीं, पर उस कंपनी द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वियों को समाप्त करने की कोशिश अंततः अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था नवाचारों की वजह से पहचानी जाती है, लेकिन विगत दशकों में कुछ कंपनियों का जरूरत से ज्यादा मजबूत होना अमेरिकी प्रौद्योगिकी पर भारी पड़ने लगा है। अमेरिकी संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) के रुख से यही लगता है कि फेसबुक को इंस्टाग्राम और वाट्सएप सहित कुछ अन्य उद्यमों से हाथ धोना पड़ सकता है। क्या ऐसी नौबत से फेसबुक कंपनी बच नहीं सकती थी? लगातार विवादों में रहना और लगातार मजबूत होने की कोशिश करते रहना अब फेसबुक को भारी पड़ने लगा है। अमेरिकी सरकार जब उस पर लगाम कसेगी, तो जाहिर है, दुनिया भर में कॉरपोरेट संस्कृति में बदलाव आएगा। पहले कुछ कंपनियां समूह बनाकर काम करती थीं, सरकारों से रियायत लेती थीं, पर अब उनकी शैली बदल गई है। लगभग हरेक देश में कुछ ऐसी बड़ी कंपनियां उभर आई हैं, जो अपने बाजार में एकछत्र राज स्थापित करना चाहती हैं। कोई शक नहीं, जब अमेरिका में लोग इस प्रवृत्ति के खिलाफ जाग रहे हैं, तब दुनिया के दूसरे देशों में भी कमोबेश विरोध की शुरुआत हो चुकी है। लोग समय रहते समझने लगे हैं कि कुछ कंपनियों के भीमकाय होने से कितने नुकसान हैं। ध्यान रहे, अमेरिका ने इस नुकसान को तब समझा, जब वहां लोकतंत्र व चुनावों पर असर दिखने लगा। भीमकाय होने में बुराई नहीं है, लेकिन दूसरों को भीमकाय होने से रोकना नैतिक व आर्थिक रूप से भी गलत है। अपनी दुनिया में सभी मिलकर बढ़ें, इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं।

तिब्बत में खतरनाक चीनी मंसूबों का बांध

टेम्पा ग्यात्सेन ज़ामलहा

दक्षिण-पश्चिम तिब्बत में बहने वाली यरलुंग त्संगपो नदी सबसे महत्वपूर्ण नदियों में से एक है, दक्षिणी तिब्बत की कोंगपो घाटियों से गुजरते हुए यह दरिया अपने किनारों की उर्वरता से आबादी को जिंदगी प्रदान करता है। भारत-बांग्लादेश में दाखिल होने पर यह 'ब्रह्मपुत्र' के नाम से जानी जाती है। यहां भी यह करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की रोजी-रोटी का सहारा है। लेकिन इस ताकतवर नदी के बहाव को अब तिब्बत में बनने जा रहे विशाल बांध से खतरा हो गया है। ग्लोबल टाइम्स में 29 नवम्बर 2020 को छपे लेख के अनुसार चीनी सरकार ने 14वीं पंचवर्षीय योजना (2021-25) के दौरान यरलुंग त्संगपो पर सुपर हाइड्रोपॉवर डैम बनाने की योजना बनाई है। इस खबर का दावा है कि यह पनबिजली परियोजना पर्यावरण, राष्ट्रीय सुरक्षा, लोगों के जीवनस्तर और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सुधारने में अर्थपूर्ण होगी। जबकि हकीकत में, यरलुंग त्संगपो पर पहले से चल रही अनेकानेक बांध परियोजनाएं न तो पर्यावरण-हितैषी हैं, न ही स्थानीय लोगों के लिए फायदेमंद। वस्तुतः यह योजना कोंगपो क्षेत्र में भारी संख्या में चीनी प्रवासियों को स्थायी रूप से बसाने की प्रशासन की दीर्घकालीन योजना की तैयारी है। इस किस्म की परियोजना से क्षेत्रीय पर्यावरण को स्थायी नुकसान होना अवश्यंभावी है, मूल तिब्बती लोगों की संख्या घटने से उनकी पहचान कमजोर पड़ेगी और साथ ही समूचे उत्तर-पूर्वी भारत के जलवायु संतुलन को बिगाड़ डालेगी। 1960 के दशक की सोच के बनिस्पत अब विशालकाय पनबिजली बांध परियोजनाओं को पर्यावरण-मित्र और सतत फायदेमंद नहीं गिना जाता। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में 1930 के दशक के बाद बने बांधों में 90 प्रतिशत से ज्यादा उम्मीद से कहीं ज्यादा महंगे सिद्ध हुए हैं, और इन बांधों ने नदी जनित पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है, लाखों लोगों को अपने घर-बार छोड़ने पड़े हैं। नेचर पत्रिका के अप्रैल 2018 के अंक के मुताबिक यकला जी येल्तेस बांध तोड़ने वाली कार्रवाई को पर्यावरणविदों ने यूरोप में नदी-बहाली में मील का पत्थर बताकर शलाघा की है। 'अमेरिकन रिवर्स' नामक पत्रिका में 6 फरवरी 2020 को छपी रिपोर्ट के मुताबिक अकेले वर्ष 2019 में नदी-बहाली की खातिर संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने 90 बांध हटा दिए हैं। लेकिन तिब्बत में चीनी सरकार ने कई सालों से यरलुंग त्संगपो नदी के ल्होखा से नईंगत्री के बीच 1600 किमी. लंबे हिस्से पर कई बांध बनाने का सिलसिला चला रखा है, जबकि यह क्षेत्र दुनिया के सबसे पुराने वन क्षेत्रों में गिना जाता है और बहुत सारी पुरातन प्रजातियों का निवास स्थान है। तथ्य यह है कि वर्ष 2015 में चीनी वैज्ञानिकों के दल ने कोंगपो के मेतोक वन में अत्यंत दुर्लभ और बहुत पुराने काल से चली आ रही मकैक बंदर की प्रजाति खोजी थी, अब इसी जगह पर प्रस्तावित सुपर बांध बनना है। जबकि कोंगपो इलाके को खुद चीनी वैज्ञानिक 'प्रकृति का पुरातन संग्रहालय' करार दे चुके हैं। चीन ने इस नदी पर काफी पहले से 11 बांध बनाने का काम शुरू कर रखा है। झांगमू और ग्यात्सा के बांध पहले ही बन चुके हैं, दागू और जेइक्सू के निर्माणाधीन हैं। लेंगडा पर बनने वाले बांध को हाल ही में अनुमति मिली है और बाकियों पर काम 14वीं पंचवर्षीय योजना में जल्द शुरू होने को है। विशालकाय बांधों से जाहिर है कि आसपास का बहुत बड़ा इलाका जल संग्रहण हेतु जलमग्न हो जाता है, जिससे बड़े पैमाने पर वनस्पति और वन्य जीवों का निवास स्थान खत्म हो जाता है। बांधों से भूकंप, भू-स्खलन, पर्यावरण में अप्रत्याशित बदलाव और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन पैदा होता है। दक्षिण तिब्बत के कोंगपो इलाके में बांध निर्माण करना तो सरकारी नीति के तहत बुनियादी ढांचा विकास योजना का एक हिस्सा भर है। इसके पीछे एक अन्य मकसद है, इस विरल आबादी वाले क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चीनी लोगों को बसाना। हालिया वर्षों में 5,476 किमी. लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग-318 का स्तर तेजी से सुधारा गया है, यह मार्ग सुदूर चीनी शहरों जैसे कि शंघाई तक जाता है, साथ ही चेंग्दू और नईंगत्री को भी आपस में जोड़ता है। बहुचर्चित चेंग्दू-नईंगत्री-ल्हासा रेलवे लाइन (1629 किमी.) एक बार पूरी होने पर इस क्षेत्र में बाहरी लोग बड़ी संख्या में आ बसेंगे। पेड़ों की अनुपस्थिति और सख्त मौसम ऐसे मुख्य कारण थे, जिनकी वजह से चीनी सरकार द्वारा बड़े प्रलोभन दिए जाने के बावजूद चीनी लोग स्थायी तौर पर तिब्बत के कुछ अंदरूनी भागों में बसने को इच्छुक नहीं हो पाए। परंतु कोंगपो क्षेत्र अपनी खुशनुमा ठंड और घने वन-वनस्पति की वजह से भारी संख्या में आप्रवासियों को बसाने के लिए आदर्श है। वैसे तो भारत-तिब्बत सीमांत क्षेत्र में बनने वाली प्रत्येक चीनी बुनियादी ढांचा परियोजना वस्तुतः भारत की सीमा सुरक्षा के लिए नया खतरा है लेकिन मेतोक में विशाल बांध बनने का मतलब है अरुणाचल प्रदेश और असम तक खतरा पैदा हो जाना। भारत की सीमा के पास स्थित होने का अर्थ है बांध से अचानक पानी छोड़ने की सूरत में यह तुरंत और पूरे वेग से भारत में दाखिल हो जाएगा और लोगों को संभलने या समय रहते बच निकलने का मौका तक नहीं मिलेगा। इस नदी पर बांधों के बनने का मतलब है भारत के लिए भविष्य में दोहरी मुसीबत - सर्दियों में ब्रह्मपुत्र में पानी की भारी किल्लत होना क्योंकि विशाल बांध गैर-मानसून मौसम में ज्यादातर पानी अपने में समा लेगा और गर्मियों एवं बारिशों में फालतू पानी छोड़े जाने से अचानक भारी बाढ़ पैदा करेगा। लेखक ने वर्ष 2018 में चेता दिया था कि दक्षिण तिब्बत क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास का मतलब है क्षेत्र में अधिकाधिक चीनी प्रवासियों का स्थायी बसेरे हेतु आगमन होना, जिसका एक मकसद भारत से बनने वाली संभावित सैन्य चुनौती का तोड़ बनाना भी है। बांधों के बारे में सर्वविदित है कि वे नदियों के प्राकृतिक बहाव को बदल डालते हैं और इनके किनारे बसने वाले और इसके माध्यम से रोजी-रोटी चलाने वाले लाखों-करोड़ों लोगों की जिंदगी में खलल पैदा हो जाता है। मेतोक के विशाल दर्रों से बहने वाली यरलुंग त्संगपो (ब्रह्मपुत्र) नदी के घुमावदार हिस्से पर यदि चीनी सरकार ने बांध बनाने को हरी झंडी दे दी तो यह काम भारत और बांग्लादेश के करोड़ों लोगों के जनजीवन पर भयावह असर डालने वाला सिद्ध होगा। इसलिए उक्त विशालकाय बुनियादी ढांचा विकास परियोजना पर भारी चीनी निवेश दरअसल चीन द्वारा शुरू की गई दीर्घकालीन योजना है, जिसके तहत कोंगपो क्षेत्र में चीनी मूल के लोगों का उस क्षेत्र में भारी प्रवास करवाना है, जिसकी लंबी सीमा भारत के साथ लगती है। इस किस्म की सामरिक योजना तिब्बती लोगों के विद्रोह और भारत से दरपेश सैन्य चुनौती को निपटने के दोहरे उद्देश्य से भी है क्योंकि इस इलाके में चीनी-बहुल जनसंख्या होने का अर्थ है वहां तैनात पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को बहु-आवश्यक जनसमर्थन का जुगाड़ होना, जो कि फिलहाल नदारद है।

लेखक तिब्बत नीति संस्थान में वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता हैं।

आज के ट्वीट

कड़ी

हमारे देश की अर्थव्यवस्था को अलग-अलग सेक्टर्स में दीवारें नहीं, ज्यादा से ज्यादा Bridges चाहिए ताकि वे एक दूसरे का सपोर्ट कर सकें। अभी हाल ही में जो Agriculture Reforms हुए हैं, वे इसी की एक कड़ी हैं।

-- पीएम नरेंद्र मोदी

ज्ञान गंगा

समय-संयम

श्रीराम शर्मा आचार्य

सुख, शान्ति, सन्तोष, सफलता एवं स्वास्थ्य आदि के पारितोषिक असामयिक जीवन-क्रम वालों से कोसों दूर रहा करते हैं। जिन्दगी जीने के लिए मिली है खो डालने के लिए नहीं। समय-सम्मत व्यवस्था के अभाव में इस परम दुर्लभ मानव-जीवन को न तो ठीक से किया जा सकता है और न इसका कोई लाभ ही उठाया जा सकता है। यह सम्भव तभी हो सकता है जब जीवन का प्रत्येक क्षण किसी निश्चित कर्त्तव्य के लिए निर्धारित एवं जागरूक हों। असमय सोने-जागने, खाने-पीने और काम करने वाले आजीवन आरोग्य के दर्शन नहीं कर सकते। वे सदा सर्वदा शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक अथवा आध्यात्मिक किसी-न-किसी व्याधि से पीड़ित रहेंगे। उनकी शक्ति में से कुछ को तो उनकी अव्यवस्था नष्ट कर देगी और शेष का व्याधियां शोषण कर लेंगी। समय-संयम के साथ अपना हर काम करने वाले मनुष्यों का जीवन कभी असफल नहीं हो सकता है। भले ही परिस्थितिवश वे संसार में कोई अनुकरणीय कार्य न भी कर पाएं, तब भी उनका जीवन असफल नहीं कहा जा सकता। सुख-शांतिपूर्वक एक प्रिय जिन्दगी जी लेना स्वयं ही एक बड़ी सफलता है। सफलता का मान-दंड कोई बड़ा काम ही नहीं है, उनका सच्चा मानदण्ड है-जीने की कला जो सन्तोषपूर्वक जिन्दगी को कथनीयता के साथ जी सका है, वह निःसन्देह अपने जीवन में सफल हुआ है। एक छोर से दूसरे छोर तक जिसका जीवन एक व्यवस्थित कार्यक्रम की तरह स्निग्ध गति से न चल कर ऊबड़-खाबड़ गिरता-पड़ता और उलझता सुलझता चलता है, उसके जीवन को असफल मान लेना ही न्याय-संगत होगा। समय पर हर काम करने वालों की सारी शक्तियां उपभोग में आने पर भी अक्षय बनी रहती हैं। समय पर काम करने का अभ्यास एक सजग प्रहरी की तरह ही होता है, जो किसी भी परिस्थिति में मनुष्य को अपने कर्त्तव्य का विस्मरण नहीं होने देता। समय आते ही सिद्ध किया हुआ अभ्यास उसे निश्चित कार्य की याद दिला देता है और प्रेरणापूर्वक उसमें लगा भी देता है? समय आते ही उक्त कार्य योग्य शक्तियों में जागरण एवं सक्रियता आ जाती है। कार्य एवं कर्तव्यों की पूर्णता ही जीवन की पूर्णता है, जो कि बिना समय, संयम, एवं व्यवस्थित और क्रियाशीलता के प्राप्त नहीं हो सकती।

आज का राशिफल

मेष	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।
वृषभ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
कन्या	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे ह्ु
तुला	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।
वृश्चिक	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।
मकर	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।
कुम्भ	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।
मीन	जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

हैरत में डालता नये तेवरों का विरोध

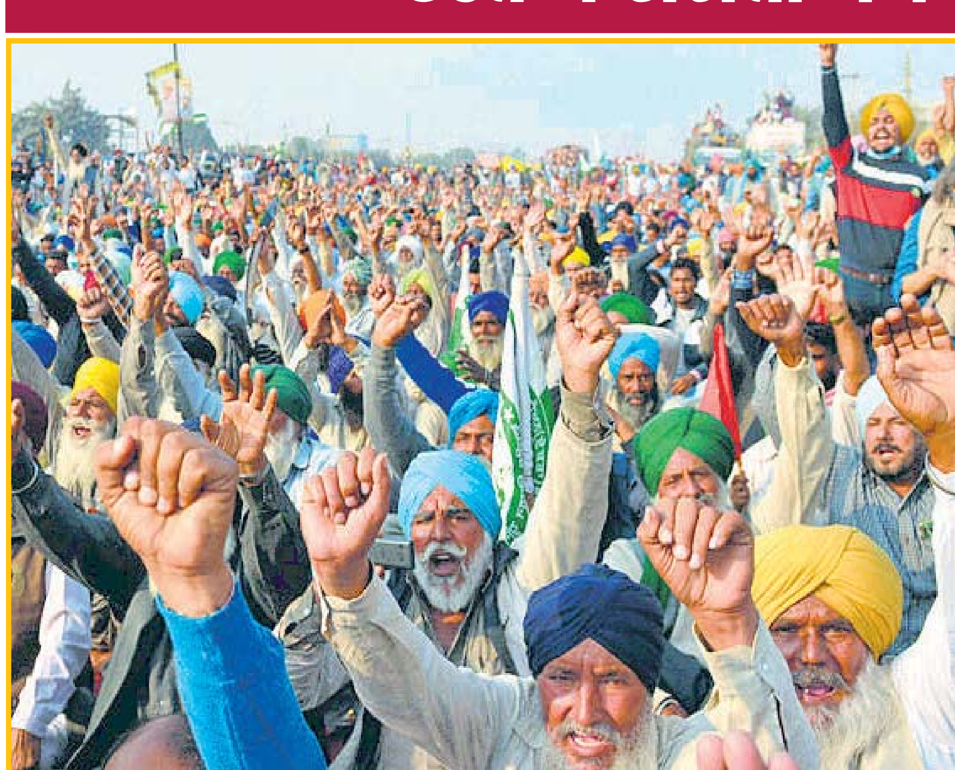

कृष्ण प्रताप सिंह

हालिया किसान आंदोलन इस एक बात के लिए लम्बे अरसे तक याद किया जायेगा कि उसने किसानों से जुड़े कई परम्परागत मिथों, रूढ़ियों और छवियों को एक झटके में तोड़ डाला है। इस कदर कि बत्तीस साल पहले अपनी मांगों को लेकर राजधानी दिल्ली के बोट क्लब में भारतीय किसान यूनियन के सुप्रीमो महेन्द्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में जमा हुए हुक्का गुड़गुड़ाते किसान भी गुजरे जमाने की चीज लगने लगे हैं। इससे राजधानी में कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। इनमें सबसे बड़ा यह कि विभिन्न राज्यों से आन्दोलन के लिए वहां पहुंचे किसान सूटेड-बूटेड क्यों हैं, उन्होंने मैली-कुचैली धोती क्यों नहीं पहन रखी? उनके हाथ में लाठी और कंधे पर गठरी क्यों नहीं है? वे इतने आत्मविश्वास से भरे हुए क्यों हैं और सहूलियतों के बजाय अधिकार मांगते क्यों फिर रहे हैं? साफ है कि उनको लेकर इतने ज्यादा सवाल इसीलिए उठ रहे हैं कि वे किसानों की परम्परागत छवि के खांचे में फिट नहीं हो रहे। ये आन्दोलनकारी किसान न संकोची हैं, न सहमे हुए, न सब-कुछ सहकर भी कतई मुंह न खोलने वाले। वे सीधे तनकर खड़े हो रहे हैं और हर किसी से आंखों में आंखें डालकर बात कर व सवाल पूछ रहे हैं? हां, वे इस सवाल का जवाब देने में भी देर नहीं कर रहे कि वे किसान क्यों नहीं लगते? इस सफाई के बाद वे पूछते हैं कि बुरे से बुरे हालात में भी देश का पेट भरने की 'खता' की अभी उनकी जमात को कितनी और सजा दी जायेगी? एक वक्त था, जब देश में खाद्यान्न की कमी के कारण माघ-पूष में चिड़िया तक उपवास करती थी और इस जमात की मेहनत से ऐसा वक्त आया है कि देश के सारे अनाज गोदाम भरे हुए हैं और वह खुद अपने ट्रैक्टरों पर चार महीनों का राशन लादकर आन्दोलन करने आई है, तो वह कैसे सलूक की पात्र है? खासकर जब कठिन कोरोना काल में एक वही है, जिसने अपनी कड़ी मेहनत से देश की अर्थव्यवस्था को संभाले रखा है। आपने गौर किया होगा तो एक और बात देखी होगी। ये किसान सरकार से वार्ताओं में भी कोई 'भोलापन' नहीं दिखा रहे। वार्ताओं में मंत्रियों और उनकी मदद करने वाले अधिकारियों के साथ 'तू डाल-डाल तो मैं पात-पात' के खेल में भी वे जता रहे हैं कि अब उन्हें पहले की तरह शब्दजाल में फंसाकर या सब्जबाग दिखाकर अपना काम नहीं बनाया जा सकता। पांच दिसंबर की वार्ता में उन्होंने खुद को फंसाने की इस तरह की एक कोशिश को लेकर आधे घंटे का मौन रखकर गुस्सा भी जताया। लम्बी लड़ाई की तैयारी करके तो खैर वे आये ही हैं और खुद को बदनाम किये जाने के प्रयासों को लेकर इतने सतर्क हैं कि न उस सरकार का खाना खा रहे हैं, जिसके विरुद्ध आन्दोलित हैं और न उन विपक्षी दलों का, जो उनका समर्थन कर रहे हैं। उनकी भारत बन्द तक में कायम रही इस निरपेक्षता ने सरकार से उनके आन्दोलन को महज पंजाब के किसानों का बताकर खुश होने का मौका भी छीन लिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने सरकार को अपनी ओर से एक मसौदा देकर यह भी बता दिया है कि इन तीनों के बदले उन्हें कैसे कृषि कानून चाहिए। उनके इन कदमों का असर भी हुआ है। शुरू में उनके आन्दोलन से बेफिक्र उन्हें विपक्ष द्वारा भ्रमित किया गया बता रहे थे। कोई पखवाड़े भर पहले वे आन्दोलन करने आये तो भी गृहमंत्री कह रहे थे कि पहले सड़कों से हटकर बुराड़ी मैदान जायें, तभी उनकी सुनी जायेगी। उन्होंने दृढ़तापूर्वक बुराड़ी जाने से मना कर सशर्त वार्ता का प्रस्ताव ठुकरा दिया, तो अब वार्ताओं के दौर पर दौर चल रहे हैं। साथ ही प्रधानमंत्री अपने प्रमुख मंत्रियों के साथ आन्दोलन से उत्पन्न स्थिति पर विचार-विमर्श करके उसके बढ़ते दायरे पर चिंता जता रहे हैं और मामला सुलझाने के नीति व दृष्टिकोण सम्बन्धी 'जरूरी' दिशानिर्देश दे रहे हैं। उनके मंत्री कह भले रहे हैं कि विवादित कृषि कानून कतई रद्द नहीं किये जायेंगे, उनकी हालत 'कुफ्र टूटा खुदा-खुदा करके' जैसी हो गई है और वे उन प्रावधानों में संशोधन को राजी हो गये हैं, जिनसे किसानों को दिक्कत है। लेकिन कोई पूछे कि ये किसान इस आन्दोलन से कितना और क्या हासिल कर पायेंगे, तो जवाब इस सवाल पर निर्भर करेगा कि क्या वे इतनी दूरदर्शिता भी अपने साथ लाये हैं कि कोई विभाजन से अपना काम बनाना चाहे तो उसे न बनाने दें?

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया को UK कोर्ट से मिली राहता

बिजनेस डेस्कः एयर इंडिया को ब्रिटेन की एक अदालत से कुछ राहत मिली है, जिसके तहत न्यायाधीश ने भारतीय विमानन कंपनी की वित्तीय कठिनाइयों, खासतौर से कोविड-19 के कारण लॉकडाउन में सेवाएं रद्द होने के चलते पैदा हुई दिक्कतों को देखते हुए पट्टे के 1.76 करोड़ डॉलर के बकाया के मामले में भुगतान के लिए 11 जनवरी 2021 तक का समय दिया। न्यायाधीश साइमन सालजेडो ने हालांकि समय से प्रक्रिया में शामिल नहीं होने के असंतोषजनक आचरण के लिए एयर इंडिया को कड़ी फटकार लगाई। चाइना एयरक्राफ्ट लीजिंग कंपनी लिमिटेड (सीएएलसी) के 1.76 करोड़ डॉलर से अधिक के बकाए के संबंध में यह सुनवाई शुक्रवार को यहां वाणिज्यिक न्यायालय प्रभाग में हुई। यह विमानों के पट्टे और रखरखाव के संबंध में यह बकाया है। न्यायाधीश ने कहा, 'मैं इस बात को व्यापार तौर पर स्वीकार करता हूं कि बाकी विमानन क्षेत्र की तरह एयर इंडिया को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, और यह भी गौरतलब है कि वह पट्टादाता को कुछ भुगतान कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि इन हालात में एयर इंडिया को बकाया भुगतान के लिए 11 जनवरी 2021 तक समय दिया जाता है।

माल्या ने ब्रिटेन की अदालत से फ्रांस स्थित संपत्ति की बिक्री से प्राप्त धन के लिए आवेदन किया

लंदनः शराब कारोबारी विजय माल्या ने शुक्रवार को ब्रिटेन की अदालत के समक्ष एक आवश्यक आवेदन किया। माल्या ने अपने रहन सहन के खर्च और कानूनी फीस का भुगतान करने के लिए कानूनी नियंत्रण में पड़े दसियों लाख पाउंड की राशि से कुछ धन निकालने की छूट दिए जाने जाने का आग्रह किया है। माल्या के खिलाफ भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व में बैंकों द्वार माल्य के खिलाफ की गई दिवाला कार्रवाई के चलते यह धन अदालत के कब्जे में है। माल्या की फ्रांस में एक आलीशान संपत्ति ले ग्रांड जार्डिन की बिक्री से प्राप्त हुई राशि अदालत के पास जमा है। दिवाला मामलों की निचली अदालत के न्यायधीश राबर्ट चैफर ने अदालत के पास जमा धन में से माल्या को अपने खर्चों के लिए धन निकालने की छूट देने से इनकार किया है। अदालत के पास करीब 15 लाख पाउंड की राशि जमा है। हालांकि, अदालत ने अगले सप्ताह शुक्रवार को दिवाला मामले में होने वाले विस्तृत सुनवाई के खर्च के लिए 2,40,000 पाउंड जमा वैट राशि जारी करने की अनुमति दे दी है। माल्या के वकील फिलिप मार्शल ने अदालत से कहा कि उसके मुवक्किल को धनराशि की आवश्यकता है। उसे अदालत के पास जमा धनराशि तक पहुंच मिलनी चाहिए ताकि वह अपने रोजमर्रा के खर्च और कानूनी खर्च का वहन कर सके।

सरकार ने MSP पर अब तक 368.7 लाख टन धान की खरीदारी की

बिजनेस डेस्कः मौजूदा खरीफ विपणन सत्र में अब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान की खरीद पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 22.5 प्रतिशत बढ़कर 368.7 लाख टन तक पहुंच गई है। यह खरीद 69,612 करोड़ रुपए में की गई। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक वक्तव्य में कहा गया है कि अक्टूबर 2020 से शुरू हुये मौजूदा खरीफ विपणन सत्र 2020- 21 में सरकार लगातार नयूनतम समर्थन मूलय पर किसानों से खरीफ फसलों की खरीदारी कर रही है। इसमें कहा गया है कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, तमिल नाडु, चंडीगढ़, जम्मू कश्मीर, केरल, गुजरात, आंध्र प्रदेश, आडीशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में 2020- 21 खरीफ सत्र की सरकारी खरीद लगातार सुनियोजित ढंग से चल रही है। वक्तव्य में कहा गया है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्यों की अन्य एजेंसियों ने 10 दिसंबर 2020 तक 368.7 लाख टन धान की खरीद कर ली है जबकि इसी अवधि तक पिछले साल 300.97 लाख टन धान की खरीद की गई थी। इसमें कहा गया कि मौजूदा खरीफ विपणन सत्र के तहत एमएसपी पर चल रही खरीदारी से 39.92 लाख किसानों को फायदा हुआ है। यह खरीद कुल मिलाकर 69,611.81 करोड़ रुपए की हुई है। वक्तव्य के मुताबिक धान की कुल 368.70 लाख टन की खरीद में से अकेले पंजाब में 202.77 लाख टन की खरीद की गई है।

भारत का ऋण जीडीपी अनुपात सबसे कम, कर्ज को बढ़ावा देने पर सरकार कर रही है कामः कांत

बिजनेस डेस्कः

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने शनिवार को कहा कि भारत का निजी ऋण और जीडीपी अनुपात इसके वैश्विक साथियों के मुकाबले सबसे कम है और सरकार अभी तक अछूते क्षेत्रों में ऋण को बढ़ावा देने के लिए एक ढांचा तैयार कर रही है। उन्होंने ग्लोबल एलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप (जीएएमई) द्वारा आयोजित एक आभासी कार्यक्रम में कहा कि हाल के वर्षों में भारत के बड़े हिस्से में ऋण परिदृश्य को भार माना जाता था। उन्होंने कहा, ''भारत का निजी ऋण और जीडीपी अनुपात वैश्विक साथियों के मुकाबले सबसे कम है। चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में जबरदस्त वृद्धि हुई है, उनके जीवन स्तर में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है।'' उन्होंने कहा कि यहां तक कि वियतनाम का हालिया विकास कुछ हद तक निजी ऋण में वृद्धि के चलते हुआ है। कांत ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) रोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन औपचारिक वित्तीय क्षेत्र द्वारा उनकी ऋण संबंधी जरूरतों को काफी कम पूरा किया जाता है।

नीति आयोग का दावा

मालूम हो कि नीति आयोग ने वित्त वर्ष 2021-22 के अंत यानी मार्च 2022 तक देश की आर्थिक वृद्धि दर कोविड-19 (कोरोना वायरस) महामारी से पहले के स्तर पर ही पहुंच जाने की संभावना जताई है।

RBI ने भी जताया अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी चालू वित्त वर्ष (2020-21) के संशोधित पूर्वानुमान में आर्थिक वृद्धि दर के माइनस 7.5 फीसदी रहने की संभावना जाहिर की है, जबकि पहले इसके माइनस 9.5 फीसदी रहने का पूर्वानुमान जताया गया था।

IRCTC की बिक्री पेशकश समाप्त, सरकार को मिलेंगे 4,374 करोड़ रुपए

नई दिल्लीः सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम आईआरसीटीसी में सरकारी हिस्सेदारी की खुली बिक्री पेशकश से सरकार को 4,374 करोड़ रुपए प्राप्त होने की उम्मीद है। यह बिक्री पेशकश शुक्रवार को बंद हो गई। बिक्री पेशकश के तहत कंपनी की प्रवर्तक सरकार ने कुल मिलाकर 20 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की पेशकश की। इसके लिए न्यूनतम शेयर मूल्य 1,367 रुपये प्रति शेयर रखा गया। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति विभाग (दीपम) सचिव तुहीन कांत पांडे ने ट्वीट के जरिए कहा, ''आईआरसीटीसी का ओएफएस खुदरा निवेशकों से 109.84 प्रतिशत अभिदान पाने के साथ मजबूत भागीदारी दिखाते हुए बंद हो गया। हम इस सौदे को सफल बनाने और बेहतर भागीदारी करने के लिए सभी निवेशकों का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि इस बिक्री पेशकश के पूरा होने के साथ ही आईआरसीटीसी सेबी के नयूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) नियम का अनुपालन करने वाली कंपनी बन गई है। आईआरसीटीसी में सरकार की 87.40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सेबी के एमपीएस नियम के तहत उसे अपनी हिस्सेदारी को कम करके 75 प्रतिशत करना था।

कोविड-19ः सार्वजनिक संस्थान, निजी क्षेत्र मिलकर कर सकते हैं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की मदद

नई दिल्लीः माइक्रोसॉफ्ट सीईओ सत्या नडेला ने शनिवार को कहा कि सार्वजनिक संस्थान और निजी क्षेत्र मिलकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप से उबारने और उन्हें वृद्धि के रास्ते पर वापस लाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने सरकार, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के बीच ''सामाजिक संपर्क की जरूरत पर भी जोर दिया, ताकि बदलावों को समायोजित करने के लिए बेहतर वातावरण का निर्माण किया जा सके। नडेला ने कहा, ''भारतीय सिविल सेवक के बेटे के रूप में हुई परवरिश के चलते मेरा मानना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों की संस्थागत ताकत बहुत महत्वपूर्ण है हम सार्वजनिक क्षेत्र को कार्यकुशलता के मोर्चे पर कैसे खड़ा कर सकते हैं, खासतौर से प्रौद्योगिकी के उपयोग में। उन्होंने फिक्की के वार्षिक अधिवेशन में कहा, ''मुझे लगता है कि इस मोर्चे पर भारत में कुछ काम हो रहा है, चाहें वह आईडी प्रणाली हो या बैंकिंग एपीआई या भुगतान एपीआई। इस तरह यह काफी ज्ञानवर्धक है। उन्होंने कहा कि उनकी राय में यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सार्वजनिक क्षेत्र को आधुनिकीकरण के लिए मदद मिले। उन्होने कहा कि निजी-सरकारी भागीदारी से परिवर्तन को अपनाने में मदद मिल रही है और यह काफी महत्वपूर्ण है।विकासशील देशा के लिए महामारी से उबरने का यह एक तरीका है। लेकिन यदि तेजी से वृद्धि करनी है तो अगले दस वर्ष में सावर्जनिक संस्थाओं और निजी क्षेत्र-दोनों को तेजी से प्रगति करने में समर्थ करना होगा।

सीरम इंस्टीट्यूट के CEO का दावा- जनवरी में शुरू हो जाएगा कोरोना वैक्सीन का काम

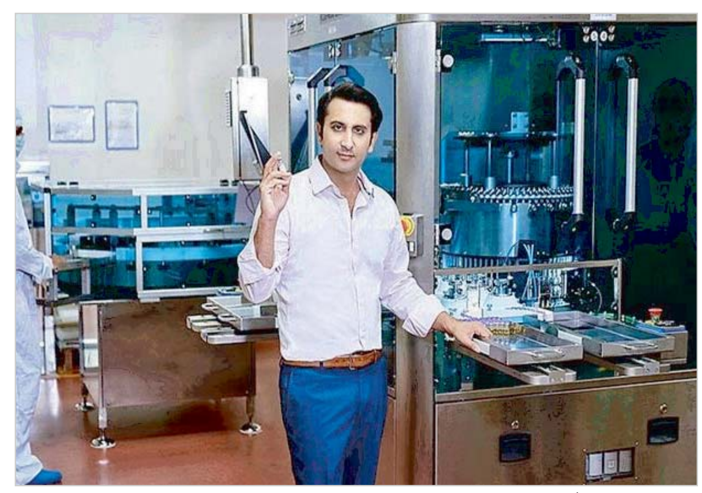

नेशनल डेस्क।

विश्व की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अदार पूनावाला का कहना है कि इस माह के अंत तक देश में कोरोना वैक्सीन के आपात इस्तेमाल की अनुमति मिल सकती है और जनवरी से यहां टीकाकरण अभियान शुरू हो सकता है। अदार पूनावाला ने एक ग्लोबल बिजनेस समिट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस माह के अंत तक एसआईआई को वैक्सीन के आपात इस्तेमाल का लाइसेंस मिल सकता है लेकिन उसके वृहद इस्तेमाल की अनुमति बाद में मिलेगी।

निजी बाजार के लिए डोज हो रही तैयार

पूनावाला ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि नियामक की मंजूरी मिलते ही जनवरी 2021 से भारत में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू हो जायेगा। उनकी कंपनी सरकार के साथ-साथ निजी बाजार के लिए कोरोना वैक्सीन की डोज तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अगले साल जुलाई तक कोरोना वैक्सीन के 30 से 40 करोड़ डोज खरीदना चाहती है और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की योजना देश की 20 से 30 फीसदी आबादी को कोरोना स्वद्म टीका देने की है।

अक्टूबर तक अधिकांश आबादी को लग जाएगी वैक्सीन

पूनावाला ने संभावना जतायी कि अगले साल अक्टूबर तक देश की अधिकांश आबादी को कोरोना वैक्सीन का टीका लग जायेगा और तब ही जिंदगी सामान्य होगी। कोरोना वैक्सीन के बारे में अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि ये वैक्सीन वायरस के संक्रमण से व्यक्ति का बचाव करने के साथ संक्रमण के प्रसार को रोकने में सक्षम है या नहीं। इस पर अदार पूनावाला ने कहा कि अभी तक उन्हें भी इसका पता नहीं । देश की 20 फीसदी आबादी को जब कोरोना वैक्सीन का टीका लग जायेगा, तब ही भरोसा लौटेगा और धारणा मजबूत होगी। उम्मीद है कि अगले साल सितंबर और अक्टूबर तक हर व्यक्ति के लिए वैक्सीन उपलब्ध होगी और जीवन सामान्य हो जायेगा।

चीन को झटका! सैमसंग भारत लाएगी मोबाइल डिस्प्ले यूनिट, करेगी 4825 करोड़ का निवेश

बिजनेस डेस्कः

साउथ कोरिया की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग अपनी मोबाइल और आईटी डिस्प्ले यूनिट को चीन से भारत शिफ्ट करेगी। यह यूनिट दिल्ली से सटे नोएडा में स्थापित की जाएगी। कंपनी इसके लिए 4825 करोड़ रुपए निवेश करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने यह जानकारी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड के लिए विशेष उपायों को मंजूरी दी गई। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि सैमसंग का भारत में यह पहला हाई-टेक्नीक प्रोजेक्ट है। इसे चीन से यहां शिफ्ट किया जा रहा है। भारत दुनिया में तीसरा देश होगा जहां इस तरह की यूनिट होगी।

1500 से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

उत्तर प्रदेश के निवेश मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि भारी-भरकम निवेश और औद्योगिक विकास को देखते हुए योगी सरकार ने सैमसंग के इस प्रोजेक्ट को विशेष प्रोत्साहन देने का फैसला किया है। इस परियोजना के नोएडा में लगने से 1,510 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। वहीं, बड़ी संख्या में लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इस परियोजना के पूरा होने पर यूपी को दुनिया में अलग पहचान मिलेगी। विगत वित्तीय वर्ष में 27 अरब डॉलर के निर्यात के साथ सैमसंग उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा निर्यातक है। सैमसंग दुनिया में टीवी, मोबाइल फोन, टैबलेट और घड़ियों में इस्तेमाल होने वाली 70 फीसदी से अधिक डिस्प्ले प्रोडक्ट्स बनाती है। कंपनी की दक्षिण कोरिया, वियतनाम और चीन में यूनिट है। सैमसंग की नोएडा में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है जिसका उद्घाटन 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। कंपनी ने तब इस यूनिट में 4915 करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया था। इस बारे में सैमसंग ने जवाब नहीं दिया। कंपनी ने हाल में कहा था कि वह भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट का हब बनाने के लिए नए उपायों पर विचार कर रही है। सैमसंग के साथ-साथ ऐप्पल की पार्टनर कंपनियों फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन को हाल में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (PLI) स्कीम के तहत मंजूरी दी थी।

स्टांप ड्यूटी में मिलेगी छूट

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने भी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को रियायतें दी हैं। इस परियोजना के लिए प्रदेश सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग नीति के तहत कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी में छूट देगी। चीन से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश आ रही इस परियोजना को पूंजी उपादान के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार स्थिर पूंजी निवेश में पुरानी मशीनों की लागत को भी अनुमन्य किया जाएगा। बता दें कि सैमसंग समूह ने अगले पांच वर्षों में कुल 50 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य रखा है।

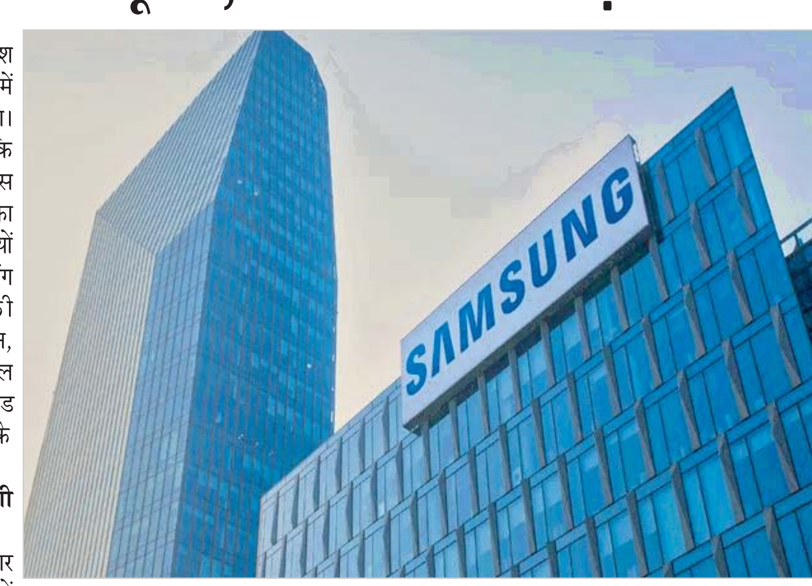

फिक्की में बोले टाटा संस चेयरमैन, कोविड के बाद की दुनिया में भारत के लिए होंगी अपार संभावनाएं

बिजनेस डेस्कः

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 के बाद की नई विश्व व्यवस्था में भारत के लिए अपार अवसर होंगे लेकिन इसका फायदा उठाने के लिए देश को तैयार करने और खासतौर से डेटा तथा कराधान के क्षेत्र में नियामक मानक बनाने की जरूरत है। उन्होंने उद्योग संगठन फिक्की के 93वें वार्षिक अधिवेशन में कहा कि यदि यह विचार कि ''2020 का दशक भारत का है' को साकार करना है तो उद्योग को मुखर होना होगा और सभी परियोजनाओं की परिकल्पना बड़े स्तर पर करनी होगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही प्रतिभा, डेटा और बैंडबिड्थ पर नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत है। चंद्रशेखरन ने कहा, ''मुझे यहां उद्योग और सरकार के बीच एक सहयोगी भूमिका दिखाई दे रही है सरकार को इस साझेदारी को सक्षम बनाना चाहिए और भारत को इस नई दुनिया में भाग लेने के लिए तैयार करना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर गांव में पर्याप्त बैंडविड्थ और किफायती डेटा हो।' उन्होंने कहा कि सरकार को डेटा गोपनीयता, डेटा स्थानीयकरण और सामान्य कराधान पर आवश्यक नियामक मानकों को भी स्थापित करना चाहिए।

भारत के लिए अपार अवसर

चंद्रशेखरन ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के बाद भारत के लिए अपार अवसर हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में भारत ने सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा, ''हम आमतौर पर बिजली, लॉजिस्टिक्स और श्रम जैसे मुद्दों का उल्लेख करते हैं। हमने उच्च ब्याज दरों की ओर ध्यान दिलाया है लेकिन भविष्य में यदि हम इसे पीछे छोड़ सकें तो हम नई विश्व व्यवस्था की एक धुरी बन सकते हैं।''

आईओसी की पहल, 'छोटू' नाम से जाना जाएगा 5 किलों वाला सिलेंडर

नई दिल्लीः

इंडियन आयल कार्पोरेशन (आईओसी) ने अपने पांच किलो के एलपीजी सिलेंडर को 'छोटू' नाम दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। आईओसी का यह छोटा सिलेंडर विभिन्न बिक्री केन्द्रों पर आसानी से उपलब्ध है। आईओसी के पेट्रोल पंप से लेकर, इंडाने एलपीजी वितरकों, किराना स्टोरों पर यह उपलब्ध है। इस सिलेंडर को केवल पहचान पत्र दिखाकर लिया जा सकता है। इसके लिए आवास पते का पहचान कार्ड आदि दिखाने की आवश्यकता नहीं है। कंपनी की यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईओसी के चेयरमैन एस एम वैद्य ने बाजार मूल्य पर बेचे जाने वाले पांच किलो के 'छोटू' सिलेंडर को एक संक्षिप्त आभासी आयोजन में जारी किया। यह सिलेंडर पूरे देश में उपलब्ध होगा।

निम्न आय वर्ग के लोगों के बीच है प्रचलित

पांच किलो का यह छोटा सिलेंडर निम्न आय वर्ग के लोगों और युवाओं के बीच काफी प्रचलित हैं। जो पेशेवर अकेले रहते हैं और जिनके पास परंपरागत 14.2 किलों का सिलेंडर खरीदने के लिए पैसे नहीं होते हैं उनके बीच यह सिलेंडर काफी उपयोग में लाया जाता है। आईओसी का कहना है कि यह नया नाम ग्राहकों के बीच पसंद किया जाएगा और अब उनके लिए पांच किलो का सिलेंडर इसका नाम लेकर खरीदने में आसान होगा।

सरकार देती है गैस सिलेंडर पर सब्सिडी

मौजूदा समय में सरकार एक वर्ष में प्रत्येक घर के लिए 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडरों पर सब्सिडी प्रदान करती है। अगर ग्राहक इससे ज्यादा सिलेंडर लेना चाहते है, तो वे उन्हें बाजार मूल्य पर खरीदते हैं। गैस सिलेंडर की कीमत हर महीने बदलती है। इसकी कीमत औसत अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क और विदेशी विनिमय दरों में बदलाव जैसे कारक निर्धारित करते हैं।

इकोनॉमी के मोर्चे पर सरकार को बड़ी राहत, अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन में 3.6% की बढ़ोतरी

बिजनेस डेस्कः

इकोनॉमी के मोर्चे पर केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी राहत की खबर आई है। विनिर्माण, उपभोक्ता सामानों और बिजली क्षेत्र में तेजी से अक्टूबर माह में औद्योगिक उत्पादन 3.6 प्रतिशत बढ़कर आठ माह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। अक्टूबर में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन **(India Industrial Production)** में 3.6 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली है। सरकार की तरफ से जारी डेटा के मुताबिक अक्टूबर में देश औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 3.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अक्टूबर 2019 में **IIP** 6.6 फीसदी लुढ़क गया था। यह लगातार दूसरा महीना है जब फैक्ट्री प्रोडक्शन डेटा पॉजिटिव रीजन में रहा। लगातार 6 महीने की गिरावट के बाद सितंबर महीने में फैक्ट्री प्रोडक्शन 0.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। सितंबर से पहले की अगर बात करें तो कई महीनों तक इसमें भारी गिरावट देखने को मिली थी। अक्टूबर के दौरान फैक्ट्री प्रोडक्शन में वृद्धि मुख्य रूप से बिजली और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के कारण हुई है। शुक्रवार को सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, बिजली क्षेत्र में अक्टूबर में सालाना आधार पर 11.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 3.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। हालांकि, खनन क्षेत्र में 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे पहले सितंबर में कोरोना काल के बाद पहली बार देश के फैक्ट्री प्रोडक्शन में बढ़ोतरी दिखी थी। सितंबर में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। इससे पहले **RBI** ने कहा था कि भारत की अर्थव्यवस्था अब तेजी से रिकवरी मोड में है।

साथ ही केंद्रीय बैंक ने बताया था कि देश का इकोनॉमिक ग्रोथ साल की तीसरी तिमाही में काफी अच्छा रहेगा और ज्यादा रिकवरी दिखेगी।

किसान यूनियनों में एक राय नहीं होने से नहीं हो पा रहा है समाधान : तोमर

नई दिल्लीः

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने आज कहा कि सरकार कृषि संबंधी कानूनों में किसानों के हितों की रक्षा के लिए कृतसंकल्प है और इसके लिए खुले मन से बात भी कर रही है लेकिन अनेक किसान यूनियनों में एक राय कायम नहीं होने के कारण समाधान नहीं हो पा रहा है। तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार किसानों की समृद्धि और उनकी आय दोगुनी करने के लिए कृतसंकल्प है। इसी लिए कानून में संशोधन करके किसानों के पैरों में पड़ी मंडी की बेड़ियों को खोला गया है। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी किसानों को कृषि संबंधी तीन कानूनों पर ऐतराज है तो सरकार भी उनसे बात करने एवं उनकी आपत्तियों के समाधान के लिए खुले मन से तैयार है। कृषि मंत्री ने कहा कि छह दौर में कई घंटों तक वार्ता के बाद सरकार ने बिन्दुवार आपत्तियों को दर्ज किया है। मंडियों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने, विवाद के समाधान के लिए उपजिलाधिकारी की बजाय अदालत में जाने, कारोबारियों के पंजीकरण, अनुबंधित खेती के समझौते के पंजीकरण और बिजली बिल आदि की मांगों पर सरकार किसानों की मर्जी के अनुरूप बात करने को तैयार है। इस बारे में किसानों को प्रस्ताव भी भेजा गया है। अब सरकार को किसानों के जवाब का इंतजार है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसानों की अनेक यूनियनें आंदोलन में शामिल हैं। संभवतः उनमें एक राय बन नहीं पा रही है। इसीलिए एक रास्ता तय नहीं हो पा रहा है। उन्होंने एक अखबार की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि आंदोलन में कुछ गलत तत्व प्रवेश कर गये हैं। किसानों को सावधानी बरतनी चाहिए। यदि ऐसे तत्व कुछ गलत करने में कामयाब हो गये तो आंदोलन को नुकसान होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से अनुशासन के साथ चला है जिसके लिए वह किसानों के आभारी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हॉकी विश्व कप की मेजबानी के लिए तैयार हो रहा है राउरकेला

राउरकेला। ओडिशा की स्टील सिटी राउरकेला 2023 में होने वाले हॉकी विश्व कप की मेजबानी के लिए तैयार हो रहा है। ओडिशा ने 2018 में हॉकी विश्व कप की शानदार मेजबानी की थी जिससे प्रभावित होकर विश्व संस्था एफआईएच ने 2023 विश्व कप की मेजबानी ओडिशा को देने की घोषणा की थी और इसका आयोजन दो स्थलों भुवनेश्वर और राउरकेला में किया जाएगा। ओडिशा के खेल मंत्री तुषारकांति बेहरा और एफआईएच के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र ध्रुव बत्रा ने खेल विभाग और राउरकेला के अधिकारियों के साथ विश्व कप की मेजबानी के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। राज्य के खेल मंत्री बेहरा ने कहा कि 2023 विश्व कप का आयोजन 2018 के आयोजन से भी बड़ा और भव्य होगा। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर में ढांचागत सुविधा मौजूद है और राउरकेला में विश्व स्तरीय सुविधाएं तैयार की जा रही हैं।

आईएसएल-7

साउदर्न डर्बी में आमने-सामने होंगे केरला-बेंगलुरु

फातोर्दा (गोवा)। पूर्व चैम्पियन बेंगलुरु एफसी के लिए हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन के अपने शुरुआती चार मैचों में एक जीत और तीन ड्रॉ, एक अच्छी शुरुआत नहीं कही जा सकती है। हालांकि कोच कार्लेस कुआड्राट की नजरें अब रविवार को फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ होने वाले मैच में पूरे तीन अंक लेने पर हैं। बेंगलुरू का केरला के खिलाफ आईएसएल में शानदार रिकॉर्ड रहा है। बेंगलुरु ने केरला के खिलाफ छह मैचों में से चार में जीत दर्ज की है जबकि केवल एक में उसे हार मिली है। लेकिन यह बातें पुरानी हो चुकी है। कोच कुआड्राट की टीम इस समय अपने शानदार फॉर्म में नहीं है। टीम को अपने पिछले मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा था। बेंगलुरु ने इस सीजन में अपने अभियान की शुरूआत 3-4-3-3 फॉर्मेट के साथ की है, जो कि उनकी शैली के लिए अनुकूल नहीं थी और इस फॉर्मेट के कारण कुआड्राट को डिफेंस में चार खिलाड़ियों को तैनात करने के लिए मजबूर होना पड़ा। कुआड्राट ने कहा, यह हमारे लिए अभी कारगर नहीं हो रहा है। लेकिन यह भविष्य में अच्छा काम कर सकती है। हमारे पास प्लान-बी और प्लान-सी भी है। हमने फिर से 4-3-3 प्रारूप के साथ वापसी की है और यह हमारे लिए अधिक प्रभावी रहा है। हमें मानसिक और शारीरिक रूप से अधिक मजबूत रहना होगा। कुछ टीमों के लिए प्री-सीजन काफी लंबा था, लेकिन वे तीन अंक लेने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। पूर्व चैंपियन बेंगलुरु ने इस सीजन में 80 प्रतिशत गोल(4) सेट पीस से किए हैं। बेंगलुरु का यह रिकॉर्ड केरला के लिए खतरा हो सकता है, जिसका इस सीजन में डिफेंस काफी खराब चल रहा है। केरला ने बेंगलुरु के खिलाफ अब तक एक बार भी क्लीन शीट हासिल नहीं की है। इस सीजन में 13 शॉट टारगेट पर लगाने के बावजूद केरला की टीम को छह गोल खाने पड़े हैं और कोच किबु विकुना के लिए यह एक चुनौती है। विकुना ने कहा, हम इस पर सुधार कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि अगले मैच में हम इस पर बेहतर होंगे। हमने कभी सोचा नहीं था कि चार मैचों से हमें केवल दो ही में अंक मिलेंगे, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है। उन्होंने कहा, हम अलग-अलग संभावनाएं तलाश रहे हैं। हम सुधार की कोशिश कर रहे हैं। हमें अंतिम तीन में सुधार करना होगा। हमें बहादुर बनना होगा और बेहतर तथा कड़ी मेहनत करनी होगी। हमें विश्वास है। हम जानते हैं कि हमारे पास एक अच्छी टीम और खिलाड़ी हैं। केरला को इस मैच में चोटिल सर्जियो सिडोंचा की सेवाएं नहीं मिल पाएगी, जो अपने रिकवरी प्रोग्राम के लिए स्पेन लौट गए हैं।

स्पीड चेस शतरंज - कार्लसन को हराकर मकसीम लागरेव फाइनल मे

फ्रांस (निकलेश जैन)

विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को 15 दिनो के अंदर ही शीर्ष स्तर पर लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है । क्लासिकल ऑन द बोर्ड शतरंज मे तो ऐसा कम ही देखने मे आया है लेकिन ऑनलाइन शतरंज मे मेगनस कार्लसन को अब काफी चुनौती मिलने लगी है । स्पीड चेस शतरंज के सेमी फाइनल मुक़ाबले मे उन्हे फ्रांस के मकसीम लागरेव नें 13-11 से पराजित करते हुए फाइनल मे प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना होगा अमेरिका के हिकारु नाकामुरा से जिन्होने हमवतन वेसली सो को पराजित करते हुए फाइनल मे जगह बनाई है । मेगनस कार्लसन इससे पहले 1 दिसंबर को वेसली सो के हाथो स्किलिंग ओपन के फाइनल मे पराजित हुए थे । मकसीम के खिलाफ तीन सेट मे मुक़ाबला हुआ पहले 90 मिनट तक 5+1 मिनट के 8 मुक़ाबले हुए और कार्लसन नें 2-0 से शानदार शुरुआत की पर इसके बाद मकसीम नें शानदार वापसी की और अंत मे सेट 4.5-3.5 से जीत लिया ।

इसके बाद 60 मिनट तक 3+1 मिनट के 8 मुक़ाबले खेले गए और इस बार भी 4.5-3.5 के स्कोर से मकसीम नें कारनामा दोहरा दिया और ऐसे मे 2 अंक से पीछे चल रहे कार्लसन को 1 +1 मिनट के बुलेट शतरंज से उम्मीद थी पर यहाँ हुए 8 मुक़ाबले मे स्कोर 4-4 ही रहा और कुल मिलाकर 13 -11 से मकसीम जीतकर फाइनल मे पहुँच गए ।

वेस्ट हैम ने ईपीएल में लीड्स को 2-1 से हराया

लीड्स।

वेस्ट हैम ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल मुकाबले में लीड्स को 2-1 से शिकस्त दी। लीड्स ने माटेयूस्ज क्लिच के पेनल्टी से किए गए गोल से छठे ही मिनट में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। लेकिन इसके बाद टीम इस बढ़त को बरकरार नहीं कर सकी और वेस्ट हैम ने 25वें मिनट में टॉमस सोसेक के गोल से स्कोर बराकर कर दिया। फिर एंजेलो ओगबोना ने 80वें मिनट में वेस्ट हैम को जीत दिलायी। इससे वेस्ट हैम की टीम तालिका में पांचवें स्थान पर बरकरार है जबकि लीड्स 14वें स्थान पर है।

आईएसएल-7

हाईलैंडर्स की नजरें अजेयक्रम जारी रखने पर

(एजेंसी)।

हाईलैंडर्स की नजरें अजेयक्रम जारी रखने पर (लीड-1, प्रीव्यू)वास्को डी गामा (गोवा), 12 दिसम्बर (आईएएनएस)। हाईलैंडर्स नाम से मशहूर नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अब तक अजेय है। इस टीम को अब रविवार को तिलक मैदान में दो बार की चैंपियन चेन्नइयन एफसी के खिलाफउतरना है, जहां उसकी कोशिश इस सीजन में अपने अजेयक्रम जारी रखना होगा। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी सातवें सीजन में नौ अंकों के साथ तालिका में तीसरे नंबर पर है। टीम ने इन 5 मैचों में 2 जीते हैं और तीन डॉ खेले हैं। वह हैदराबाद एफसी और बेंगलुरू एफसी के साथ टीम तीसरी ऐसी टीम है, जिसने इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। नॉर्थईस्ट और चेन्नइयन आईएसएल के इतिहास में अब तक 12 बार एक-दूसरे के आमने-सामने हो चुकी है जिसमें से नॉर्थईस्ट ने अब तक छह मैच जीते हैं और तीन डॉ खेले हैं। आईएसएल के इतिहास में किसी भी विपक्षी टीम का यह अब तक का सबसे बेस्ट रिकॉर्ड है। दूसरी तरफ चेन्नइयन की टीम को पिछले दो मैचों में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है।। हालांकि टीम के प्रदर्शन में निरंतरता देखने को मिल रही है। नॉर्थईस्ट के कोच नुस को उम्मीद है कि चेन्नइयन टीम वापसी करेगी और उनके लिए खतरा पैदा करेगी। नुस ने कहा, चेन्नइयन उनकी टीम के लिए एक प्रतिस्पर्धात्मक टीम होगी। वे जिस तरह से खेली है और हम उनके खेल को देख चुके हैं। मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में उन्हें परिणाम हासिल नहीं हुआ लेकिन उन्होंने कई मौके बनाए थे। हमें उम्मीद है कि उनके खिलाफ होने वाला मुकाबला प्रतिस्पर्धात्मक और आक्रामकता होगी। हम इसके लिए तैयार हैं। हमें 90 मिनट तक मैदान पर अपना ध्यान रखना होगा। यह कुछ ऐसा है जिससे हमें निरंतर रूप से करने की जरूरत है। इस सीजन में गोल करने के मामले में नॉर्थस्ट संयुक्त रूप से 8 गोल के साथ दूसरे नंबर पर है। । डिफेंस में भी टीम का शानदार रिकॉर्ड चल रही है और उसने इस सीजन में अब तक दो बार क्लीन शीट हासिल की है। चेन्नइयन के कोच कसाबा लाजलो नॉर्थईस्ट के इस खतरे से अच्छी तरह से अवगत है। हालांकि टीम कुछ चोटों से जूझ रही है इसके बावजूद लाजलो को उम्मीद है कि यह एक चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा। लाजलो ने कहा, नॉर्थईस्ट बहुत अच्छी टीम है जिसने इस सीजन में काफी अच्छी शुरूआत की है। वे अच्छी स्थिति में है। उनके पास कुछ नए खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह एक ऐसी टीम है जो किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल कर सकती है। वे खतरनाक हैं और हमें इसकी तैयारी करनी होगी। दूसरी तरफ मेरा मानना है कि मुझे अपनी टीम पर विश्वास है। हमारी खेलने की अपनी शैली है।

संक्षिप्त समाचार

लिएंडर पेस की निगाह रिकार्ड 8वें ओलंपिक खेलों पर

कोलकाता .भारतीय टेनिस स्टार लिएंडर पेस ने कहा कि वह रिकार्ड आठवें ओलंपिक खेलों में भाग लेना चाहते हैं और अगले साल तोक्यो में होने वाले खेलों में हिस्सा लेने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पिछले साल क्रिसमस पर पेस ने कहा था कि 2020 उनका अंतिम सत्र होगा जिसमें तोक्यो ओलंपिक का आयोजन भी शामिल था। पेस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा- तब किसी ने भी नहीं सोचा था कि हमें इतनी बड़ी महामारी का सामना करना होगा। इससे हम सभी को आत्ममंथन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा- लेकिन इस लंबे विश्राम के बाद मैं अच्छा महसूस कर रहा है। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि मैं शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तौर पर तैयार रहूंगा। मेरे लिये यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि भारत का नाम इतिहास की पुस्तकों में बना रहे और यही कारण है कि मैं 30 वर्षों से खेल रहा हूं। पेस अगले साल 23 जुलाई से शुरू होने वाले तोक्यो ओलंपिक तक 48 साल के हो जाएंगे लेकिन उन्होंने कहा कि उम्र केवल एक संख्या है। उन्होंने कहा, ''मेरे नाम पर पहले ही सात ओलंपिक में खेलने का रिकार्ड और मेरी प्रेरणा है कि क्या मैं इसे आठ ओलंपिक तक ले जा सकता हूं। मेरा विश्वास है कि टेनिस में सर्वाधिक ओलंपिक में खेलने के रिकार्ड में भारत का नाम हमेशा दर्ज रहेगा। अटलांटा ओलंपिक 1996 में एकल में कांस्य पदक जीतने वाले पेस ने कहा कि वह एक और पदक जीतने के लिये कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा- मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। यह केवल भागीदारी से जुड़ा नहीं है। आप मुझे जानते हैं। अगर मैं ओलंपिक में जा रहा हूं तो जीतने के लिये जा रहा हूं केवल नंबर बढ़ाने के लिए नहीं। उम्र केवल एक संख्या है। टेनिस की गेंद इंसान की उम्र नहीं जानती। वह शक्ति और कौशल जानती है। यह मायने रखता

बाबर कप्तान के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे, रन बना रहे हैं : मिस्बाह

12 दिसम्बर । Pakistan क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिस्बाह उल हक ने कहा है कि बाबर आजम बतौर कप्तान अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं और टीम के लिए रन भी बना रहे हैं। बाबर पर हाल में एक महिला ने यौन उत्पीड़न और शारीरिक प्रताड़ना के आरोप लगाए थे और ऐसा माना जा रहा था कि आजम को अपनी कप्तानी से हाथ धोना पड़ सकता है। लेकिन **Pakistan** क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बयान जारी कहा था कि आजम के हाथों में लंबे समय तक टीम की कमान रहेगी। **Pakistani** वेबसाइट खेल शेल ने मिस्बाह के हवाले से कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस तरह से उन्होंने कप्तान के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई है, वह शानदार है। बतौर कप्तान उन्होंने जितने भी मैच में खेले हैं उन मैचों में उन्होंने रन बनाए है। अच्छी बात ये है कि कप्तान का दबाव होने के कारण उनके प्रदर्शन में गिरावट नहीं आई है। बाबर को हाल ही में **Pakistan** क्रिकेट टीम का टेस्ट कप्तान बनाया गया था। वे पहले से ही वनडे और टी-20 कप्तान हैं। उन्होंने अब तक 29 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 45.44 की औसत से 2045 रन बनाए हैं।

फिटनेस स्तर सुधारने का पहला लक्ष्य हासिल कर लिया : महिला हॉकी कोच मारिन

बेंगलुरू।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने शनिवार को कहा कि टीम ने खिलाड़ियों का फिटनेस स्तर बेहतर करने का प्राथमिक लक्ष्य हासिल कर लिया है चूंकि कोरोना महामारी के बीच इस सत्र में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हुई है। भारतीय टीम ने फरवरी से कोई मैच नहीं खेला है। फरवरी में न्यूजीलैंड दौरे से आने के बाद टीम यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर शिविर में थी जो शनिवार को खत्म हो गया। मारिन ने कहा कि हमारा एक लक्ष्य फिटनेस का स्तर बेहतर करना था जो पूरा हो गया। पिछले कुछ सप्ताह में हमने जूनियर पुरूष टीम के साथ भी कुछ सत्र किए ताकि अपनी रफ्तार और कौशल को आजमाया जा सके। मैं टीम की प्रगति से बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा कि हमने समय का पूरा उपयोग किया और हमारा फोकस ओलंपिक पर ही। उम्मीद है कि अगले साल की शुरूआत में कुछ अच्छे मैच खेल सकेंगे जिससे तैयारियों का आकलन हो जाएगा। इसके बाद हम ओलंपिक के लिये रणनीति बना सकेंगे। कोच ने कहा कि खिलाड़ियों को ब्रेक से मानसिक थकान से उबरने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले साढे चार महीने में खिलाड़ियों ने बिना कोई शिकायत किये काफी मेहनत की है । चाहे बायो बबल में रहना हो या परिवार से इतनी दूर लंबे समय तक रहने की बात हो। मैं खिलाड़ियों के रवैये से बहुत खुश हूं। इस ब्रेक से उन्हें मानसिक थकान से उबरने में मदद मिलेगी।

भारतीय स्टार महिला फुटबॉलर बाला देवी ने कहा - मेरीकॉम से मिलती है उनको प्रेरणा

नई दिल्ली । स्टार भारतीय महिला फुटबॉलर बाला देवी ने कहा कि वह महान मुक्केबाज एम सी मेरीकॉम से प्रेरणा लेती हैं जिन्होंने साधारण परिवार से होने के बावजूद बतौर खिलाड़ी अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। यूरोप की शीर्ष लीग में पेशेवर फुटबॉल खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर बाला ने 2014 एशियाई खेलों के दौरान छह बार की विश्व चैम्पियन और ओलंपिक कांस्य पदकधारी मेरीकॉम से हुई बातचीत के बारे में बात करते हुए कहा कि मेरीकॉम मेरे लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत हैं। वह बहुत ही साधारण परिवार से हैं, उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से इतने सारे रिकार्ड तोड़े। यहां तक कि मां बनने के बाद भी उनका रिकार्ड तोड़ना और देश को गौरवान्वित करना जारी रहा। उन्होंने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) टीवी से कहा कि हमने 2014 में एशियाई खेलों के दौरान बातचीत की थी और उन्हें ट्रेनिंग करते हुए देखा था। वह बहुत ही जल्दी घुलमिल जाती हैं और खेलों के दौरान उन्होंने हमारा समर्थन भी किया था। बाला ने हाल में स्कॉटिश महिला प्रीमियर लीग में खेलते हुए रेंजर्स एफसी के लिये अपना पहला गोल भी दागा था। उन्होंने जनवरी में रेंजर्स के साथ 18 महीने के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। गोल के बाद काफी लोगों ने मुझे शुभकामनाए दी और कई इसके बारे में बात कर रहे थे और लिख रहे थे, जिससे मुझे काफी गर्व महसूस हुआ। इसके बाद मुझे 'एएफसी प्लेयर ऑफ द वीक' के लिए नामांकित किया गया और इतने महान खिलाड़ियों के साथ सूची में अपना नाम देखकर मुझे काफी खुशी हुई।

एससी ईस्ट बंगाल ने एआईएफएफ से रैफरिंग के खिलाफ शिकायत की

पणजी ¬ मौजूदा इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में रैफरिंग के निराशाजनक स्तर से नाराज रॉबी फाउलर की कोचिंग वाली एससी ईस्ट बंगाल ने शुक्रवार को एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) के समक्ष शिकायत दर्ज की। उसने पिछले कुछ मैचों में कुछ बड़ी गलतियों की शिकायत की जिससे उससे काफी नुकसान हुआ। आईएसएल के इस सत्र में सबसे अंत में प्रवेश करने वाली एससी बंगाल को लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा और उसने चार मैचों में अभी तक एक भी गोल नहीं किया है। अंतिम स्थान पर चल रही ईस्ट बंगाल ने आखिरकार गुरूवार को जमशेदपुर एफसी के खिलाफ ड्रा मुकाबले में अपना खाता खोला जिसमें यूजेनसन लिंगदोह को दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया और यह फैसला संदेहास्पद लगा। क्लब के अधिकारी ने कहा- क्लब के तौर पर हम अपना फीडबैक एआईएफएफ से साझा कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि खेल भावना को बरकरार रखने के लिए बचे हुए टूर्नामेंट में रैफरिंग के स्तर को सुधारने के लिये विचार किया जाएगा।

अभ्यास मैच : पंत, विहारी के शतक, भारत को 472 रनों की विशाल बढ़त

सिडनी।

युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने आस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अभ्यास मैच में तेज शतक जड़ पहले टेस्ट मैच के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की है। पंत के 73 गेंदों पर नाबाद 103 और हनुमा विहारी के नाबाद 104 रनों की बदौलत भारत ने तीन दिवसीय दिन-रात प्रारूप के अभ्यास मैच के दूसरे दिन शिनवार का अंत चार विकेट के नुकसान पर 386 रनों के साथ किया है। इसी के साथ भारत ने 472 रनों की बढ़त ले ली है। पंत और विहारी के अलावा शुभमन गिल ने 65 और मयंक अग्रवाल ने 61 रनों की पारी खेली। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने फिर निराश किया और तीन रन ही बना पाए। भारत ने अपनी पहली पारी में 194 रन बनाए थे और पहले ही दिन आस्ट्रेलिया-ए को 108 रनों पर ऑल आउट कर दिया था। दूसरे दिन अपनी दूसरी पारी खेलने उतरी भारत ने शॉ के रूप में पहला विकेट खोया। फिर गिल और मयंक ने 104 रनों की साझेदारी की। गिल की पारी को लेग स्पिनर मिशेल स्वेप्सन ने खत्म किया। गिल ने 78 गेंदों का सामना कर चार चौके और दो छक्के लगाए। मयंक 161 के कुल स्कोर पर वाइल्डरमथ का शिकार बने। उन्होंने 120 गेंदों का सामना किया और चार चौकों के अलावा दो छक्के लगाए। 38 रन बनाने वाले अजिंक्य रहाणे चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद पंत और विहारी ने कोई और विकेटे नहीं गिरने दिया। दोनों ने अभी तक 147 रन जोड़ लिए हैं। पंत ने तेजी से रन बनाए हैं। उन्होंने अभी सिर्फ 73 गेंदों का सामना किया है और नौ चौकों के अलावा छह छक्के मारे।वहीं विहारी ने 194 गेंदें खेली हैं और 13 चौके लगाए हैं। संक्षिप्त स्कोर¬ भारत 194 और 386/4 (हनुमा विहारी 104 नाबाद, ऋषभ पंत 103 नाबाद, शुभमन गिल 65, मयंक अग्रवाल 61, एम स्टेकेटी 2/54) बनाम ऑस्ट्रेलिया ए 108।

एफएलजीबी4 क्लास में अश्विन दत्ता का डबल, नोवाइस कप में सईद का क्लीन स्वीप

कोयम्बटूर। जेके टायर-एफएमएससीआई नेशनल रेसिंग चैम्पियनशिप (जेकेएनआरसी) के 23वें सीजन के उद्घाटन राउंड में शनिवार को कारी मोटर स्पीडवे पर काफी रोमांच देखने को मिला। इस राउंड के दूसरे दिन अश्विन दत्ता और आमिर सईद ने चमकदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को दोयम साबित किया। कोट्टयम के 16 साल के चालक सईद ने जेके टायर नोवाइस कप में अपना वर्चस्व दिखाते हुए हर रेस में जीत हासिल की। अब तक वह कुल चार रेस जीत चुके हैं। सईद पहली बार कारी मोटर स्पीडवे पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं लेकिन उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सबका मन मोह लिया। एक तरफ जहां दूसरे काफी ट्रिकी और धीमे पहले कार्नर पर संघर्ष करते नजर आए वहीं सईद ने सीमित ट्रैक टाइम के बावजूद इसे बड़ी सरलता से टैकल किया। असल में सईद ने इस मुश्किल कार्नर को अपनी मजबूती बनाकर शुक्रवार को दोनों रेस जीती और खुद को मजबूत स्थिति में ले जाने में सफल रहे। इसके बाद सईद ने शनिवार को भी दो रेसें जीतीं और दर्शकों की भी तालियां सबसे अधिक हासिल कीं। प्रीमियर क्लास के तौर पर जाने जाने वाले फार्मूला एलजीबी4 में डॉर्क डॉन रेसिंग टीम के अश्विन दत्ता ने शानदार और रेयर डबल हासिल किया। एमस्पोर्ट टीम के विष्णु प्रसाद ने शुक्रवार को दोनों रेसें जीती थीं लेकिन चेन्नई के इस अनुभवी चालक को शनिवार को दूसरे रेस में प्रतिस्पर्धा कड़ी होने का अंदाजा लग गया क्योंकि अश्विन दत्ता ने शानदार ड्राइविंग की। इस रेस के दौरान कुछ सांस रोक देने वाले लम्हे भी आए क्योंकि कई मौकों पर कारें स्पिन भी कर गईं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरब के रेगिस्तान में 25 लाख की ड्रेस पहन कर जलवा बिखेर रही हैं उर्वशी रौतेला

सोशल मीडिया की क्वीन मानी जाने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने बॉलीवुड में बहुत कम समय में एक अच्छी जगह बनायी है। एक्ट्रेस ने कई फिल्में भी की है जिसमें से सनम रे और हेट स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर हिट भी हुई। इसके बाद भी उन्होंने कई फिल्मों में काम किया वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी लेकिन उर्वशी की फिल्म में तारीफें हुई।

एक्टेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उर्वशी को 33 मिलियन लोग सोशल मीडिया पर फॉलो करते हैं। इस तरह की फैन फॉलोइंग हॉलीवुड के बड़े-बड़े सितारों की होती है। अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए उर्वशी अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती है। हाल ही में उर्वशी ने इंटरनेशनल मैगजीन के लिए फोटोशूट करवाया है। ये अरब देश की मैगजीन है। इस मैगजीन ने उर्वशी रौतेला को अपने कवर पेज पर जगह दी है।

उर्वशी रौतेला ने मैगजीन के लिए यूएई के रेगिस्तान में फोटोशूट करवाया है। उर्वशी ने इस दौरान बहुत ही मंहगी ड्रेस पहनी हुई थी, जिसकी भारत में कीमत 25 लाख रुपये हैं। उनके लॉन्ग गाउन का कलर ओरेंज है, इसके कंट्रास्ट कॉम्बिनेशन के लिए उन्होंने डार्क रेड लिप्सटिक लगाई है और शानदार मेकअप किया हैं। एक्ट्रेस की खूबसूरत इस फोटोशूट में आसमान छू रही हैं। फैंस उर्वशी के इस लुक को काफी पसंद कर रहे हैं।

उर्वशी ने सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें शेयर की है और एक शानदार कैप्शन लिखा है। उर्वशी ने लिखा हम बड़ा बनने के सपने देखते हैं लेकिन सपने देखने के बाद मेहनत भी करनी पड़ती है। उर्वशी के इस पोस्ट पर काफी कमेंट आ रहे हैं।

'रब ने बना दी जोड़ी' के गानों को लेकर सलीम-सुलेमान ने खोले कई राज

आदित्य चोपड़ा के निर्देशन में बनी शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा स्टारर 'रब ने बना दी जोड़ी' एक धमाकेदार फिल्म थी। इस रोमांटिक फिल्म ने एक ऐसी स्त्री और एक ऐसे पुरुष के निजीपन को सेलिब्रेट किया था, जो अलग-अलग हालात में पले-बढ़े हैं और उनकी अचानक अरेंज मैरिज हो जाने के बाद आखिरकार उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो जाता है।

फिल्म का म्यूजिक एल्बम चार्टबस्टर रहा, जिसे टॉप म्यूजिक कंपोजर सलीम-सुलेमान मर्चेंट ने तैयार किया था। फिल्म रिलीज होने की 12वीं वर्षगांठ पर यह टैलेंटेड जोड़ी खुलासा कर रही है कि किस तरह से एसआरके ने गानों को टाइमलेस बना दिया था और 'हौले हौले हो जाएगा प्यार' के मुखड़े की धुन दरअसल आदित्य चोपड़ा की थी।

इस फिल्म के गानों के क्रिएटिव विजन को लेकर सुलेमान का कहना है, 'गानों की तयशुदा जगहों के साथ एक-एक बिंदु को स्पष्ट करते हुए यह फिल्म बड़े बेहतरीन तरीके से लिखी और सोची गई थी तथा फिल्म को लेकर दी गई हिदायत बड़ी सरल थी। म्यूजिक के जरिए राज और सूरी (ये दोनों किरदार एसआरके ने निभाए थे) को उनकी अलग-अलग पहचान देनी थी।

सूरी का किरदार एक ट्रैडीशनल हसबैंड का था जबकि राज शहरी हीरो था। म्यूजिक की मेलोडी इतनी सिंपल रखनी थीं कि उनको सुनते ही आम से आम व्यक्ति भी गुनगुना सके और प्यार व सुकून महसूस कर सके। आदित्य चोपड़ा और उनकी सुपर हिट गानों से सजी बेहद कामयाब फिल्मों की विरासत से निकली इन हिदायत पर अमल करना कोई आसान काम नहीं था।

सलीम कहते हैं, रब ने बना दी जोड़ी का म्यूजिक कंपोज करना एक बहुत बड़ी अपॉर्चुनिटी थी। एक प्रोड्यूसर के रूप में आदि के साथ हम चक दे इंडिया और आजा नचले के लिए काम कर चुके थे, लेकिन एक डायरेक्टर के रूप में आदि स्पेशल थे। हम इस एल्बम को अपने लिए और ऑडियंस के लिए सबसे यादगार बनाना चाहते थे, लेकिन इस सबसे बढ़ कर मैं चाहता था कि म्यूजिक को फिल्म पर बखूबी जंचना चाहिए।

म्यूजिक एल्बम की सबसे बड़ी यूएसपी के बारे में बात करते हुए सलीम कहते हैं, इस म्यूजिक एल्बम की सबसे बड़ी यूएसपी यह थी कि गानों को स्टोरी की अलग-अलग सिचुएशन के लिए बनाने के बावजूद वे सभी एक ही धागे से जुड़े हुए थे। वे एक जैसी दुनिया में ले जाते थे और किरदारों की पूरी झलक दिखलाते थे। हिस्ट्री और फिल्म के गाने में गोल्डन टेम्पल की अहमियत ने टाइटल सॉग को एक भक्तिभाव और अमरता प्रदान कर दी।

सुलेमान बताते हैं, मुझे लगता है कि जबरदस्त पारंपरिक मेलोडी वाले गानों की सरलता और साउंड के आमफहम होते हुए भी कटिंग-एज म्यूजिक का प्रोडक्शन इस पूरे एलबम की यूएसपी थी। हम हिट गानों की बजाए अच्छे गाने तैयार करने बैठे थे और इसी चीज ने गानों को बेहद खास बना दिया।

यह बात कम ही लोग ही जानते हैं कि 'हौले हौले हो जाएगा प्यार' के मुखड़े की धुन जाहिर तौर पर आदित्य चोपड़ा की थी। सुलेमान खुलासा करते हैं, इस गाने के बोल दरअसल उस सीन से निकले थे, जिसे आदि ने लिखा था और उस सीन का आखिरी डायलॉग था- तानी पार्टनर, हौले हौले हो जाएगा प्यार। आदि इन बोलों को एक कच्ची-पक्की धुन में गुनगुनाया करते थे जो हमें उस रूप में भी अच्छी लगी। तो हमने जयदीप (साहनी) के साथ मिलकर इसे आगे डेवलप करने का फैसला किया। हमने मेलोडी को ज्यादा से ज्यादा सिंपल रखने की कोशिश की थी। शाहरुख खान को रोमांस का किंग माना जाता है और सलीम का मानना है कि उनके बनाए खूबसूरत गानों पर सुपरस्टार की लिप-सिंकिंग ने उन्हें और भी खास बना दिया। एसआरके हर गाने में खुशी भर देते हैं। आरएनबीजे हमारे लिए एक माइलस्टोन फिल्म थी क्योंकि सभी गाने चार्टबस्टर साबित हुए और इसमें एसआरके का सबसे बड़ा हाथ था। वह वाकई हर गाने को स्क्रीन पर जीते हैं और उन्हें अमर कर देते हैं।

अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' की रिलीज डेट आयी सामने, जानें कब होगी बॉक्स ऑफिस पर हिट

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की कई फिल्में रिलीज की कतार में हैं। कुछ फिल्में 2021 में रिलीज होंगी और कुछ फिल्मों की डेट 2022 तक जा सकती है। लॉकडाउन के कारण शूटिंग का काम काफी देरी से चल रहा हैं। आने वाली फिल्म भुज की रिलीज डेट अभी फाइन नहीं हुई है लेकिन यह फिल्म हॉटस्टार पर रिलीज के लिए तैयारी कर रही हैं। वहीं अजय देवगन की आने वाली एक और स्पोर्ट ड्रामा फिल्म मैदान की रिलीज डेट भी सामने आ गयी हैं।

अजय देवगन ने शनिवार (12 दिसंबर) को अपनी आगामी फिल्म मैदान की नई रिलीज़ डेट की घोषणा की है। स्पोर्ट्स ड्रामा अब अगले साल दशहरे के मौके पर 15 अक्टूबर, 2021 को सिल्वर स्क्रीन पर हिट होगा। इस फिल्म को पहले अगस्त 2021 में रिलीज़ किया जाना था लेकिन काम की देरी के कारण दूसरी बार रिलीज डेट को आगे बढ़ाया गया हैं।

नई रिलीज की डेट के साथ अजय देवगन ने फिल्म के एक नए पोस्टर को भी साझा करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा मैदान अब अगस्त में नहीं बल्कि दशहरा 2021 के मौके पर 15 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की अंतिम शेड्यूल की शूटिंग जनवरी 2021 से शुरू होगी।

मैदान फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम के जीवन से प्रेरित है, जिसने भारत को वैश्विक मानचित्र पर रखा था। फिल्म की शूटिंग पहले से ही लखनऊ, कोलकाता और मुंबई में की जा चुकी है और इसका अंतिम शेड्यूल शुरू करना था, जब इसे कोरोनावायरस महामारी के कारण स्थगित करना पड़ा। फिल्म की शूटिंग का 65त्न हिस्सा पूरा हो चुका है और आखिरी शेड्यूल अप्रैल 2021 तक पूरा होने की उम्मीद है।

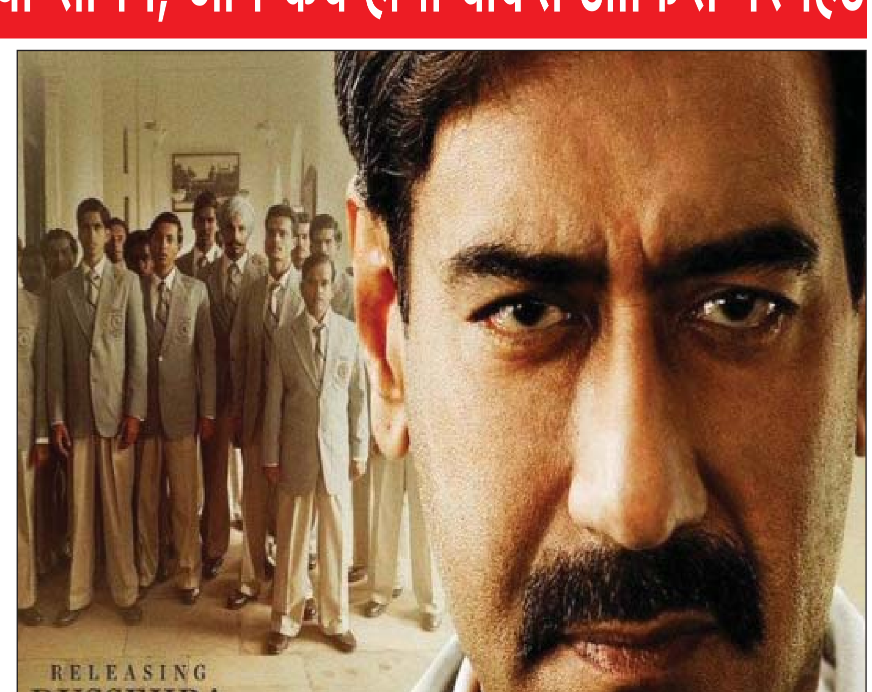

'द डर्टी पिक्चर' एक्ट्रेस आर्या बनर्जी की मौत, संदिग्ध हालात में घर में मिला शव

'द डर्टी पिक्चर' समेत बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम कर चुकी बंगाली अभिनेत्री आर्या बनर्जी, दक्षिण कोलकाता स्थित अपने आवास पर शुक्रवार को मृत पाई गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस, इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित अभिनेत्री के अपार्टमेंट का दरवाजा तोड़ कर भीतर घुसी, तो बेडरूम में 33 वर्षीय बनर्जी का शव पाया। दिवंगत सितार वादक निखिल बंद्योपाध्याय की बेटी आर्या ने 'एलएसडी- लव सेक्स और धोखा' (2010) समेत कई फिल्मों में काम किया था। उनकी घरेलू सहायिका ने सुबह जब अपर्टमेंट की घंटी बजायी, तो उसे कोई जवाब नहीं मिला। जिस पर उसे संदेह पैदा हुआ और उसने पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। घरेलू सहायिका ने कहा कि आर्या अकेली रहती थी और किसी से ज्यादा मेलजोल नहीं रखती थी। पुलिस ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और फॉरेंसिक टीम ने अभिनेत्री के कमरे से नमूने एकत्र किये हैं।

भूमि पेडनेकर की दुर्गामती पर अनुष्का शेट्टी का आया बयान, जानें फिल्म की टीम के लिए क्या कहा?

भूमि पेडनेकर की फिल्म दुर्गामती 11 दिसंबर 2020 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गयी है।फिल्म को लेकर दुर्गामती की टीम को काफी उम्मीदें है। ट्रेलर की रिलीज के बाद भूमि पेडनेकर की तारीफ भी काफी सोशल मीडिया पर हुई। दुर्गामती की रिलीज़ से ठीक पहले, अनुष्का शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी शुभकामनाएं भेजने के लिए भूमि पेडनेकर और टीम को एक नोट भेजा है। दुर्गामती तेलुगु फिल्म भागमती की हिंदी रीमेक है। भागमती में अनुष्का शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसी कारण अनुष्का ने दुर्गामती की टीम को शुभकामना संदेश दिया है। उसने अपने पोस्ट में यह भी उल्लेख किया है कि वह फिल्म देखने के लिए उत्सुक है।

अनुष्का शेट्टी का बयान

अनुष्का शेट्टी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की जिसमें एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर , निर्देशक जी अशोक और दुर्गामती टीम के अन्य सदस्यों को शुभकामनाएं दी गईं। अनुष्का ने फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा, प्यारी भूमि पेडणेकर, जीअशोक फिल्म दुर्गामती की पूरी कास्ट और क्रू सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

भागमती के बारे में

भागमती 2018 में रिलीज़ हुआ हॉरर-थ्रिलर फिल्म थी। जिसे जी अशोक द्वारा निर्देशित किया गया था। फिल्म में अनुष्का शेट्टी, उन्नी मुकुंदन, मुरली शर्मा, और आशा सारथ ने प्रमुख भूमिकाएँ निभाई थी। रिलीज़ होने पर, फिल्म को दर्शकों की सराहना के साथ-साथ आलोचकों की तरफ से भी तारीफे मिली थी। फिल्म में उनके प्रदर्शन के लिए अनुष्का की सराहना की गई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। भागमती की रिलीज के बाद ऐसी चर्चा थी कि फिल्म का हिंदी में रीमेक बनाने का फैसला किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

श्रीलंका की महारा जेल में कोविड-19 संक्रमण फैलने के डर से भड़का दंगा, 11 कैदियों की मौत

कोलंबो। पिछले महीने श्रीलंका की महारा जेल में हुए दंगे में 11 कैदियों की मौत के मामले में जांच कर रही जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कैदियों ने कोरोना वायरस संक्रमण फैलने का डर जताते हुए प्रदर्शन किया था जो दंगे में बदल गया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पांच सदस्यीय जांच समिति की अंतरिम रिपोर्ट में कहा गया कि 29 और 30 नवंबर को महारा जेल में दंगा कोविड-19 के मुद्दे पर जल्द समाधान की मांग करते हुए प्रदर्शन के कारण भड़का था। इस दौरान 11 कैदियों की मौत हो गयी। सरकार ने विपक्ष और मृतकों के रिश्तेदारों के दबाव के बाद जांच समिति का गठन किया। समिति ने कहा, ''विरोध प्रदर्शन बाद में बड़े दंगे में बदल गया।

ईरान ने एक पत्रकार को दी फांसी की सजा, 2017 में विरोध भड़काने का था आरोप

तेहरान। ईरान ने 2017 में देश में हुए प्रदर्शनों को हवा देने के आरोप में एक पत्रकार को फांसी दे दी है। पत्रकार रूहुल्ला ज़म के ऑनलाइन कार्य से 2017 में आर्थिक स्थिति को लेकर हुए प्रदर्शनों को हवा देने में मदद मिली थी। ईरान के सरकारी टीवी और सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने कहा कि ज़म को शनिवार सुबह फांसी दी गई। जून में एक अदालत ने ज़म को मौत की सज़ा सुनाई थी। उन्हें ५धरती पर भ्रष्टाचार'' (फसाद) का दोषी ठहराया गया था। इस आरोप का इस्तेमाल अक्सर जासूसी मामलों या ईरानी सरकार का तख्ता पलटने की कोशिश के मामलों में किया जाता है। ज़म की वेबसाइट और संदेश भेजने वाले ऐप 'टेलीग्राम' पर बनाए गए एक चैनल ने प्रदर्शनों के समय के बारे में जानकारी का प्रसार किया और अधिकारियों के बारे में भी जानकारी दी जिससे ईरान के शिया धर्मतन्त्र को सीधी चुनौती मिली। प्रदर्शन 2017 के अंत में शुरू हुए थे जो 2009 के 'ग्रीन मूवमेंट' प्रदर्शन के बाद ईरान में सबसे बड़े प्रदर्शन थे।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड लखवी को हर महीने 1.5 लाख रुपये खर्च की मिली मंजूरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति ने घोषित आतंकवादी और मुंबई हमले के साजिशकर्ता जकी उर रहमान लखवी को महीने में डेढ लाख पाकिस्तानी रुपये का खर्च देने की अनुमति दे दी है। सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंध समिति ने खर्च की राशि को इस सप्ताह मंजूरी देते हुए लखवी के बैंक खाते से यह धन निकालने की अनुमति दी है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद से लखवी के बैंक खाते से लेन देन पर रोक लगा दी गई थी। परिषद से मिली मंजूरी के अनुसार, लखवी को दवाओं के लिए 45हजार, भोजन के लिए 50 हजार, जन सुविधाओं के लिए 20 हजार, वकील की फीस के लिए 20 हजार और परिवहन के लिए 15 हजार रुपये निकालने की अनुमति होगी। लश्कर-ए-तैयबा और अल-कायदा से जुड़े होने तथा आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त रहने के कारण 60 वर्षीय लखवी को संयुक्त राष्ट्र ने दिसंबर 2018 में आतंकवादी घोषित किया था।

अमेरिका के टेक्सास में हेलीकॉप्टर दुर्घटना से दो लोगों की मौत

कोलोराडो सिटी (अमेरिका)। अमेरिका के टेक्सास राज्य के पश्चिमी इलाके के एक मैदान में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मिट्चेल काउंटी के शेरिफ पैट्रिक टूम्ब्स ने शुक्रवार रात को बताया कि एक हेलीकॉप्टर कोलोराडो सिटी के दक्षिण पश्चिम में आठ मील दूर बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टूम्ब्स ने बताया कि दुर्घटना में पायलट जेन व्हाइटसाइड्स (31) और यात्री जैक फेऊफर (32) की मौत हो गई। दोनों कोलोराडो सिटी से थे। संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि यह हेलीकॉप्टर 'रॉबिन्सन आर44 'था। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड मामले की जांच करेगा।

अमेरिका के बाद अब मेक्सिको ने भी दी फाइजर की कोरोना वैक्सीन को मंजूरी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की सरकार के चिकित्सा सुरक्षा आयोग ने आपात स्थिति में फाइजर/बायोएनटेक द्वारा निर्मित कोरोना वायरस के टीके के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। इस टीके को मंजूरी देने वाला मेक्सिको, ब्रिटेन, कनाडा और बहरीन के बाद चौथा देश है। सहायक विदेश मंत्री ह्यूगो लोपेज गाटेल ने बताया कि मेक्सिको द्वारा इस टीके को शुक्रवार को मंजूरी दी गई।

गाटेल ने बताया कि मेक्सिको को टीके की 2,50,000 खुराक मिलेगी जो 1,25,000 लोगों के लिए पर्याप्त होगी क्योंकि एक व्यक्ति को टीके की दो खुराक दी जानी है। उन्होंने बताया कि पहले अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए जाएंगे। गाटेल ने बताया कि टीकाकरण अगले हफ्ते आरंभ हो सकता है। मेक्सिको में कोरोना वायरस के कुल 12,29,379 मामले हैं, वहीं यहां संक्रमण के कारण कुल 1,13,019 लोगों की मौत हो चुकी है।

चीफ जस्टिस ने कोरोना टीके को बताया 'शैतान का टीका', सोशल मीडिया पर मचा बवाल

जोहानिसबर्ग। (एजेंसी)।

दुनिया भर में कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए टीके के इंतजार के बीच दक्षिण अफ्रीका के प्रधान न्यायाधीश मोगोइंग मोगोइंग ने टीके को ले कर एक विवादास्पद बयान दिया जिसमें उन्होंने कहा कि विश्व भर में जिस टीके से उत्साह का संचार हो रहा है वह '' शैतान के पास से आया है।'' इस बयान के लिए प्रधान न्यायाधीश की काफी आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें न्यायाधीश मोगोइंग एक गिरजाघर में प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं और इस दौरान वह दावा करते हैं कि टीका लोगों के डीएनए को ''खराब'' कर देगा। उन्होंने अपनी प्रार्थना में कहा, '' जो आपकी (ईश्वर) तरफ से नहीं है, ऐसे किसी भी टीके से मैं खुद को दूर करता हूं। अगर कोई टीका है तो वह शैतान की तरफ से है, जिसका मकसद लोगों के जीवन में 'ट्रिपल सिक्स' (शैतान का चिह्न) लाना है और यह उनके डीएनए को खराब करेगा..... ऐसा कोई भी टीका, हे ईश्वर, उसे यीशु मसीह के नाम पर अग्नि नष्ट कर दे।''

मोगोइंग की इन बातों से वैज्ञानिकों और अन्य लोगों में गुस्सा है और उनका कहना है कि मोगोइंग जैसे प्रभावशाली व्यक्ति की तरफ से इस प्रकार की बातें टीके का इंतजार कर रहे लोगों को भ्रमित कर सकती हैं। विट्स विश्वविद्यालय में वायरोलॉजी के प्रोफेसर बैरी शउब ने कहा, '' यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके कद का कोई व्यक्ति लोगों को गुमराह कर रहा है क्योंकि इस महामारी को नियंत्रित करने के लिए टीका एक अहम हिस्सा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतना प्रभावशाली व्यक्ति इसेनियंत्रित करने के प्रयासों का विरोध कर रहा है।'' मानवाधिकार संगठन ''अफ्रीका4पैलस्टीन'' ने भी मोगोइंग के इस बयान की निंदा की है। वहीं न्यायाधीश ने टीके पर उनकी टिप्पणी को ले हो रही आलोचनाओं को खारिज किया और शुक्रवार सुबह एक टेलीविजन कार्यक्रम में कहा कि उन्हें अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। उन्होंने कहा,'' यह आजाद मुल्क है। मुझे चुप नहीं कराया जा सकता। मुझे परिणामों की चिंता नहीं है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम पलटने संबंधी वाद खारिज किया

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने टेक्सास सहित 17राज्यों की ओर से दायर उस वाद को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि वह उन अहम राज्यों के चुनाव परिणामों को पलट दे जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदार जो बाइडन के जीत दर्ज की थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वाद का समर्थन किया था। राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन ने जीत दर्ज की है। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को अपने संक्षिप्त और बिना हस्ताक्षर वाले आदेश में कहा,'' टेक्सास ने उस प्रकार से न्यायिक संज्ञेय दिलचस्पी नहीं दिखाई, जिस प्रकार से अन्य राज्य चुनाव आयोजित करते हैं। सभी लंबित प्रस्ताव विवादित करार देते हुए खारिज किए जाते हैं।'' उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय को ट्रंप के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है जो बाइडन के निर्वाचन को चुनौती देते हुए परिणामों को पलटने की कोशिश कर रहे थे।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश सैमुएल एलीटो और न्यायाधीश क्लैरंस थॉमस ने कहा कि उनका मानना है कि अदालत को मामले की सुनवाई करनी चाहिए लेकिन उन्होंने टेक्सास के दावे पर स्थिति स्पष्ट नहीं की। कम से कम 126 रिपब्लिकन सांसदों ने इस वाद का समर्थन किया था। गौरतलब है कि ट्रंप और उनके प्रचार अभियान दल ने चुनाव में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे और कई राज्यों में बाइडन की जीत को अदालत में चुनौती दी थी। वहीं राज्य चुनाव अधिकारियों और मुख्यधारा के मीडिया का कहना है कि उन्हें धोखाधड़ी के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। अदालत का आदेश आने पर प्रतिनिधि सभा में स्पीकर नैंसी पेलोसी ने कहा, ''अदालत ने लाखों अमेरिकी मतदाताओं की इच्छा को पलटने के जीओपी के गैरकानूनी और अलोकतांत्रिक वाद को खारिज करने का सही कदम उठाया है।

अमेरिकी संसद ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेजा 'अस्थायी सरकारी वित्त विधेयक'

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी संसद ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'अस्थायी सरकारी वित्त विधेयक' भेज दिया जिसके बाद अब संघीय बंद (फेडरल शटडाउन) की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा कोविड-19 सहायता को लेकर होने वाली चर्चा के लिए भी समय मिल जाएगा। इस विधेयक के साथ ही अगले शुक्रवार मध्य रात्रि की समय सीमा तय हो गई है। इस लघु अवधि के उपाय को सीनेट ने ध्वनि मत से सर्वसम्मति के साथ पारित किया। सदन ने यह विधेयक बुधवार को पारित किया था और ट्रंप द्वारा इस पर मध्यरात्रि से पहले हस्ताक्षर करने की उम्मीद है।

गतिरोध के बावजूद इस बात पर आम सहमति थी कि महामारी राहत के काफी समय से लंबित विधेयक के बिना कांग्रेस इस साल के लिए स्थगित नहीं होगी। गौरतलब है कि सांसदों के द्विपक्षीय समूह की ओर से आए 900 अरब डॉलर के सहायता पैकेज के प्रस्ताव का सीनेट के बहुमत के नेता मिच मैककॉनेल ने विरोध किया। इस पर बातचीत चल रही है। सदन की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने कहा कि कांग्रेस सहमति बनाने के लिए क्रिसमस के बाद भी काम करती रहेगी। गौरतलब है कि नई कांग्रेस का शपथ ग्रहण तीन जनवरी को होना है।

थल सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने यूएई के लैंड फोर्सेज कमांडर से रक्षा सहयोग पर की चर्चा

दुबई। (एजेंसी)।

थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने संयुक्त अरब अमीरात के लैंड फोर्सेज एंड स्टाफ के कमांडर मेजर जनरल सालेह मोहम्मद सालेह अल अमीरी से मुलाकात की और आपसी हितों और रक्षा सहयोग के मुख्य मुद्दों पर चर्चा की। भारतीय सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जनरल नरवणे ने नौ से 10 दिसंबर तक संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया। थल सेना प्रमुख यात्रा के दूसरे चरण में 13 से 14 दिसंबर तक सऊदी अरब का दौरा करेंगे। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दो खाड़ी देशों की यह किसी भी भारतीय सेना प्रमुख की पहली यात्रा है। भारतीय सेना के अनुसार जनरल नरवणे को संयुक्त अरब अमीरात के लैंड फोर्सेज के मुख्यालय में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया और उन्होंने मार्टियर्स प्वाइंट पर पुष्पचक्र अर्पित किया। भारतीय सेना के अतिरिक्त सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने शुक्रवार को एक ट्वीट में बताया कि थल सेना प्रमुख ने लैंड फोर्सेज एंड स्टाफ के कमांडर मेजर जनरल सालेह मोहम्मद सालेह अल अमीरी से मुलाकात की और दोनों देशों के आपसी हितों और सुरक्षा सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की। बयान में बताया गया कि जनरल नरवणे ने लैंड फोर्सेज इंस्टीट्यूट, इनफैंट्री स्कूल एंड आर्मर स्कूल का भी बृहस्पतिवार को दौरा किया। सेना प्रमुख की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा का मकसद द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ हो रहे संबंधों को दिखाती है और ऐसी अपेक्षाएं हैं कि इससे रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग के नए आयाम खुलेंगे।

जनरल नरवणे की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब खाड़ी क्षेत्र में तेजी से घटनाक्रम बदल रहे हैं और इन घटनाक्रमों में कई अरब देशों का इजरायल के साथ संबंधों का सामान्य होना है। वहीं, यह यात्रा ईरान के शीर्ष परमाणु हथियार वैज्ञानिक मोहसिन फाखरिजादेह की हत्या के बाद पैदा हुई स्थितियों के बीच हो रही है। नरवणे के यूएई और सऊदी अरब के दौरे के पहले सेना ने नयी दिल्ली में एक बयान में कहा था, ''दौरे के दौरान वह इन देशों के अपने समकक्षों और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात करेंगे।'' जनरल नरवणे की खाड़ी क्षेत्र की यात्रा से कुछ दिन पहले ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा की थी।

सूती कपड़े के मुकाबले नायलॉन की दो परतों वाला मास्क अधिक कारगर!

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए मास्क में किए गए बदलावों और उनके प्रभाव का मूल्यांकन किया और पाया कि नायलॉन से बने दो परतों वाले मास्क सामान्य मास्क के मुकाबले अधिक प्रभावी हैं। इस अध्ययन दल में अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ कैरोलिना (यूएनसी) से सबद्ध स्कूल ऑफ मेडिसीन के भी वैज्ञानिक शामिल थे। उन्होंने रेखांकित किया कि कोविड-19 महामारी के दौरान चेहरे को ढंकने के लिए कई नवोन्मेषी उपकरण और मास्क इस दावे के साथ बनाए गए हैं कि वे पारंपरिक मास्क के मुकाबले कोरोना वायरस के संक्रमण से बेहतर तरीके से बचाव करते हैं। हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना है कि इन मास्क या चेहरे को ढंकने वाले उपकरणों के प्रभाव का बहुत कम मूल्यांकन हुआ है। जेएमएए इंटरनल मेडिसीन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने विभिन्न तरह के मास्क का मूलयांकन उन्हें पहनने वालों के वायरस से संपर्क में आने के आधार पर किया। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक सर्जिकल मास्क हवा में मौजूद वायरस को दूर रखने में 38.5 प्रतिशत तक कारगर है लेकिन जब इसे कान पर विशेष तरीके से और कसकर बांधा

जाता है तो इसकी क्षमता में सुधार होता है और यह 60.3 प्रतिशत तक संक्रमण से रक्षा कर सकता है। उन्होंने बताया कि जब सर्जिकल मास्क में नायलॉन की परत जोड़ी जाती है तो यह 80 प्रतिशत तक प्रभावी हो जाता है। अनुसंधानपत्र के सह लेखक और यूएनसी में कार्यरत इमिली सिकबर्ट बेनेट ने कहा कि वायरस की मात्रा का कम करना महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिक वायरस के संपर्क में आने से गंभीर रूप से बीमार होने का खतरा भी अधिक होता है।'' अध्ययन में पाया गया कि सूती कपड़े से बना मास्क केवल 49 प्रतिशत कारगर है जबकि एन-95 मास्क वायरस से 95 प्रतिशत तक रक्षा करता है। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक मास्क में नाक के पास दबाने के लिए क्लिप की उपस्थिति और सूती और नायलॉन से बने मास्क को धोने से उनकी क्षमता में सुधार होता है।

कोरोना वैक्सीन को लेकर जो बाइडेन ने अमेरिकियों को दिया आश्वासन, कहा- 'टीके में विश्वास रखें लोग'

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने देशवासियों से आग्रह किया है कि वे प्रथम श्रेणी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए कोविड-19 के टीके पर विश्वास रखें। इसका मूल्यांकन करने में राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल नहीं किया गया है। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने शुक्रवार को अमेरिकी दवा कंपनी फाइजर और उसकी जर्मनी की साझेदार बायोएनटेक द्वारा विकसित टीके के आपात स्थिति में देश में इस्तेमाल करने को मंजूरी दे दी है। व्हाइट हाउस की ओर से एफडीए आयुक्त डॉ स्टीफन हन पर दबाव की खबरों के बीच बाइडन ने कहा, 'मैं जनता को स्पष्ट करना चाहता हूं कि आपको इसमें (टीके में) विश्वास रखना चाहिए। इसमें किसी तरह का राजनीतिक प्रभाव नहीं है।'

डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े बाइडन ने शुक्रवार को डेलवेयर के विलमिंगटन में पत्रकारों से कहा, 'वे प्रथम श्रेणी के वैज्ञानिक हैं और अपना समय ले रहे हैं और उन सभी तत्वों को देख रहे हैं, जिन्हें देखे जाने की जरूरत है। वैज्ञानिकों पर हमारा यकीन हमें यहां तक लेकर आया है।' उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि चीजें अभी मुश्किल हैं, लेकिन मेरा दृढ़ता से विश्वास है कि आने वाले दिनों में चीजें बेहतर होंगी। हमें कल एक अच्छी खबर मिली। एफजीए समिति ने फाइजर और बायोएनटेक के कोविड-19 के टीके के आपात स्थिति में इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी है।' बाइडन ने कहा कि वे उन वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं, संगठनों के शुक्रगुजार हैं जिन्होंने इस टीके को विकसित किया है।' उन्होंने कहा, 'हम उन जन विशेषज्ञों के भी आभारी हैं जिन्होंने बिना राजनीतिक प्रभाव के टीके की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया।' रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक ट्वीट कर एफडीए को 'एक बड़ा, पुराना और सुस्त कछुआ' बताया था। उन्होंने कहा कि डॉ हन अब टीके को इस्तेमाल करने की इजाजत दें। 'खेल खेलना बंद करें तथा जिंदगियां बचाना शुरू करें।' गौरतलब है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में ट्रंप ने अबतक अपनी हार नहीं मानी है।

'वाशिंगटन पोस्ट' ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्कमीडोज ने शुक्रवार को हन को आदेश दिया कि वह टीके को मंजूरी दें या अपना इस्तीफा दें। बाइन ने इस हफ्ते के शुरू में कहा था कि उन्होंने ऐलान किया है कि उनकी कोविड प्रतिक्रिया टीम टीके के विर्निर्माण और वितरण को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि पद संभालने के 100 दिनों के भीतर 10 करोड़ लोगों को टीका लगाना उनके प्रशासन का लक्ष्य रहेगा। बाइडन ने कहा कि अमेरिका में कोविड-19 से एक दिन में तीन हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। यह महामारी के दौरान एक दिन में जान गंवाने वाले लोगों की सबसे ज्यादा संख्या है। वह 20 जनवरी को राष्ट्रपति का पद संभालेंगे। उप राष्ट्रपति निर्वाचित हुई कमला हैरिस ने कहा कि वे स्वास्थ्य देखभाल टीम लेकर आए हैं जो इस महामारी को नियंत्रित करने में मदद करेगी। साथ में एक आर्थिक टीम है जो अर्थव्यवस्था को खड़ा करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति टीम है जो राष्ट्र को सुरक्षित रखने में मदद करेगी तथा दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व को बहाल करेगी एवं आगे बढ़ाएगी। जोन होपकिन्स के अनुसार, अमेरिका में कोरोना वायरस के 1,58,34,965 मामले हैं जबकि 2,94,874 लोगों की जान गई है।

जयपुर में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर (एजेंसी)। प्रताप नगर इलाके में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने व अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर दूसरे लोगों से संबंध बनाने का दबाव डालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरूकर दी है। पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल हाल प्रताप नगर निवासी एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुछ समय पहले उसकी मुलाकात सत्येन्द्र सिंह से हुई थी। आरोप है कि शादी का झांसा देकर आरोपित ने उसके साथ दुष्कर्म किया और मारपीट भी की। उसकी अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करता रहा। अन्य लोगों के साथ भी संबंध बनाने का दबाव डाला। परेशान होकर पीडिता ने पुलिस की शरण ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

१५ अधिकारी करेंगे मनरेगा कार्यों का निरीक्षण

जयपुर (एजेंसी)। महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) योजनान्तर्गत ''पूरा काम पूरा दाम़ऴळ विशेष अभियान के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए १५ अधिकारियों को निरीक्षण का जिम्मा सौंपा गया है। जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से १६ दिसम्बर, २०२० से १५ फरवरी, २०२१ तक ''पूरा काम पूरा दाम़ऴळ विशेष अभियान चलाया जाएगा।

इसके प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए उप वन संरक्षक एवं विभिन्न विभागों के अधिशासी अभियंताओं को निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। प्रत्येक अधिकारी आवंटित एक-एक पंचायत समिति के चयनित कार्यों का पखवाड़ेवार निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

राजस्थान के पूर्व मंत्री घनश्याम तिवाड़ी भाजपा में लौटे

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया ने किया स्वागत

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मंत्री व भारत वाहिनी पार्टी के संस्थापक घनश्याम तिवाड़ी शनिवार को वापस भाजपा में लौट आए। यहां भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने तिवाड़ी का स्वागत किया। पूनियां ने कहा कि तिवाड़ी ने भाजपा में लौटने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से अनुरोध किया था, जिसकी स्वीकृति के बाद वह ससम्मान भाजपा में लौट रहे हैं।

तिवाड़ी ने कहा कि भाजपा की विचारधारा उनके रग रग में समाई हुई है और भले ही कुछ तात्कालिक मुद्दों के चलते उन्होंने अलग होकर भारत वाहिनी पार्टी बनाई, लेकिन मन से हमेशा ही वह भाजपा के साथ रहे। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस में औपचारिक रूप से कभी शामिल नहीं हुए।

वह एक बार कांग्रेस के मंच पर जरूर गए, लेकिन उसके प्राथमिक सदस्य नहीं बने। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के कद्दावर नेता और भाजपा से कई बार विधायक रहे घनश्याम तिवाड़ी की वसुंधरा राजे से पटरी नहीं बैठी।

वह २०१८ के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा से अलग हो गए। उन्होंने भारत वाहिनी पार्टी बनाई,

जिसने २०१८ के विधानसभा चुनाव में ६३ सीटों पर चुनाव भी लड़ा,

लेकिन तिवाड़ी सहित उसके सभी उम्मीदवार हार गए।

घनश्याम तिवाड़ी फिर हुए भाजपाई

जयपुर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी से छह बार विधानसभा चुनाव जीत चुके भैरोसिंह और राजे सरकार में मंत्री के औहदे से काम कर चुके घनश्याम तिवाड़ी ने आज फिर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यालय मे सदस्यता ले ली है।

तिवाडी खांटी संघी कहे जाते थे पर २०१९ में हुए लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से उनके राजनैतिक मुद्दे गहरा गए थे तब उन्होने भाजपा को छोडकर अपनी नई पार्टी दीनदयाल वाहिनी बनाई पर राजनैतिक कामयाबी से दूर रहने के बाद उन्होने २०१९ में ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के जयपुर दौरे के दौरान कांग्रेस ज्वाइन कर ली थी।

आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में घनश्याम तिवाडी को प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई, भाजपा के होने के बाद तिवाडी ने कहा कि वे कभी कांग्रेस के सदस्य नहीं बने लिहाजा उनके बीजेपी में आने को घर वापसी की बजाय सुबह का भूला शाम को लौटने के रूप में देखा जाए. पाला बदलने के साथ ही घनश्याम तिवाड़ी के सुर भी बदले हुए दिखे।

तिवाड़ी ने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार में अन्तर्द्वन्द्व है और सरकार पांच साल पूरे नहीं करेगी।

तिवाड़ी ने कहा कि वे बिना शर्त बीजेपी में शामिल हुए हैं और भविष्य में पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरे मन से निभाएंगे वसुंधरा राजे के खिलाफ़ मोर्चे और मुद्दों को लेकर उन्होने कहा बीती ताही बिसार दे के साथ अब सब खत्म हो गया है।

मुख्यसचिव की अध्यक्षता में हुई नवाचार परिषद की बैठक

जयपुर (एजेंसी)। मुख्य सचिव निरंजन आर्य की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से राज्य नवाचार परिषद की प्रथम बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि राज्य के नव प्रवर्तनों को आगे बढाया जाए, उनको आर्थिक एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराकर नव प्रवर्तकों की सृजनशीलता को सम्मानित किया जाए।

उन्होंने राज्य में कृषि के क्षेत्र में हो रहे नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि हमें स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, पशुपालन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कला व हस्तशिल्प एवं अन्य क्षेत्रों में भी होने वाले नवाचारों को बढावा देने के लिए रोड मेप तैयार करना चाहिए। आर्य ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं राज्य नवाचार परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिये कि हमें दूसरे राज्यों में हो रहे नवाचारों को भी जानना एवं समझना होगा और राज्य में नवाचार का परिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है जिससे सभी राज्यों में हो रहे नवाचार का प्रचार-प्रसार हो और हम उसे अपने राज्य में भी प्रभावशाली रूप से ग्रहण कर आमजन को लाभ पहुंचा सकें। उन्होंने जिला स्तर पर प्रौद्योगिकी एवं इनोवेशन इनक्यूबेशन केन्द्र स्थापित कर नवाचार के कार्यक्रमों को जिला कलक्टर के माध्यम से आयोजित कराने के निर्देश दिये इस अवसर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के शासन सचिव श्री कैलाश चन्द्र वर्मा ने प्रस्तुतीकरण में बताया कि स्टेट इनोवेशन कांउसिल का गठन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन किया गया है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

ग्राम पंचायत स्तर पर रैंकिंग निर्धारित होगी

जयपुर (एजेंसी)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह ने बताया कि नीति आयोग द्वारा निर्धारित सतत् विकास लक्ष्यों की राजस्थान में पहली बार अब ग्राम पंचायत स्तर पर रैंकिगं निर्धारित की जायेगी। यह रैंकिगं अब ग्राम पंचायत की निष्पादन क्षमता के आधार पर होगी ।

अतिरिक्त मुख्य सचिव सिंह ने बताया कि गुणात्मक आधार पर ग्राम की पंचायत की रैंकिगं करने से यह पता चल सकेगा कि ग्राम पंचायत में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं का भरपूर लाभ ग्रामीण क्षेत्र के आम जन को मिल रहा है या नहीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि रैंकिगं निर्धारित करते समय ग्राम पंचायतों द्वारा उपलब्ध सुविधाओं एवं सेवाओं यथा विधालय, सार्वजनिक शौचालय, वाचनालय, ई-मित्र आदि सुविधाओं का उपयोग किया जा रहा है या नहीं ।सिंह ने बताया कि रैंकिगं निर्धारित करते समय यह भी देखा जायेगा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली से दैनिक उपभोग की खाध वस्तुएं सही गुणवत्ता की मिल रही है या नहीं । इससे गांवों में कुपोषण के कारणों का सही विश्लेषण हो सकेगा। साथ ही यह भी देखा जायेगा कि ग्रामीण क्षेत्र में आम जन को आधारभूत बैंकिग सुविधाएं यथा ऋण व साख सुविधाएं सही प्रकार से मिल रही है या नहीं । उन्होंने नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानदण्डों में खुले में शौच मुक्त के साथ ठोस एवं तरल कचरा प्रबन्घन, कुपोषण व बैंकिगं सुविधा सहित अनेक सुविधाओं एवं सेवाओं के विश्लेषण को ग्राम पंचायत की रैंकिगं में आधार बनाने के निर्देश दिये।

तांत्रिक मासूम बच्ची को लेकर आग में कूदा, दोनों की दर्दनाक मौत

भारत-पाक बॉर्डर पर बाखासर थाना इलाके के सुजो का निवान गांव की घटना

बाड़मेर(एजेंसी)। सरहदी बाड़मेर में एक तांत्रिक ने एक मासूम को जलाकर मार डाला। उसके बाद खुद ने भी आत्मदाह कर लिया। घटना बाखासर थाना इलाके के सुजो का निवान गांव की है।

जानकारी के मुताबिक जानकारी मिलने पर बाखासर थानाधिकारी तुरंत गांव पहुंचे। घटनास्थल पर एक अधेड़ तथा एक बच्ची की गड्ढेनुमा मोर्चे में जली हुई लाशें मिली।

मौके पर रामचन्द्र भील ने बताया कि किस्तुराराम भील दो साल से गांव में घूमता रहा है। इसने फैज मौहम्मद के खेत में गड्ढा खोदकर मोर्चा बनाकर रखा था। शुक्रवार को मेरी बेटी को जलाकर मारने के बाद उसने खुद ने भी आत्मदाह कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरूकर दी है।

मानवाधिकार आयोग करेगा कोटा में हुई १२ बच्चों की मौत मामले की जांच

आयोग अध्यक्ष जस्टिस शर्मा ने दिए १५ दिन में मामले की रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

जयपुर(एजेंसी)। कोटा के जेके लोन अस्पताल में नवजातों की मौत मामले में अब राज्य मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए घटना की जांच करवाने का निर्णय लिया है। आयोग के सचिव बीएल मीणा और रजिस्ट्रार ओमी पुरोहित मामले की जांच करेंगे। आयोग अध्यक्ष जस्टिस महेश चन्द्र शर्मा ने १५ दिन में मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। मालूम हो कि कोटा के अस्पताल में शुक्रवार तक १२ नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। जांच मौत के कारणों पर केंद्रत होगी। इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो इसे लेकर भी रिपोर्ट में सुझाव दिए

जाएंगे। आयोग में यह मामला अब २४ दिसंबर को पेश होगा।

घटना की जांच के लिए आयोग के दोनों अधिकारी १४ दिसंबर को कोटा जाएंगे। यहां संभागीय आयुक्त कार्यालय में अधिकारीयों के साथ बैठक की जाएगी। संभागीय आयुक्त के साथ ही पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सीएमएचओ और जेके लोन अस्पताल के अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी इस बैठक में शामिल होंगे। बैठक के बाद दोनों अधिकारी जेके लोन अस्पताल का निरीक्षण कर हालातों की जानकारी लेंगे।

राज्य मानवाधिकार आयोग ने घटना को हृदय विदारक और मानवता की सीमा को पार करने वाला बताया है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस महेश चन्द्र शर्मा ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा है कि घटना हृदय विदारक इसलिए भी है कि कैसे एक नवजात शिशु ने अपने जन्म के कुछ ही समय पश्चात अपने प्राणों का अंत कर लिया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ली जानकारी

इधर कोटा-बूंदी से सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में अपने कार्यालय में जिला प्रशासन और चिकित्सा अधिकारियों की बैठक बुला कर उन्होंने नवजात बच्चों की मौत के कारण के बारे में पूछा और नवजात बच्चों की मौत पर शोक प्रकट किया तथा अस्पताल में उचित निगरानी किए जाने पर जोर दिया। बैठक के बाद उन्होंने कहा, मैंने अस्पताल प्रशासन से बात की है और मामले पर रिपोर्ट मांगी है। जो भी बात सामने आएगा उस पर मैं राज्य सरकार से चर्चा करूंगा

राजस्थान में कोरोना बीते २४ घंटे में १४७३ नए मामले आए और १४ लोगों की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में कोरोना वायरस का कहर जारी है। राज्य में बीते २४ घंटे में कोरोना वायरस के १४७३ नये मामले सामने आए हैं और १४ लोगों की इससे जान चली गई। इसके बाद राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर २,८८,६९२ हो गई है। वहीं, मृतकों का आंकड़ा २५१४ पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक जयपुर में ४६९, जोधपुर में २६५, अजमेर में २०६, बीकानेर में १६४, कोटा में १५६, भरतपुर में ११६, उदयपुर में १०६, और पाली में १०० संक्रमितों की मौत हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को राज्य में २७६८ लोग कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक हुए। इससे राज्य में अब तक कुल २,६८,४५७ लोग ठीक हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि नये मामलों में जयपुर में ३६१, जोधपुर में १४५,कोटा में १०१,भीलवाडा में ७२, अजमेर- उदयपुर में ६४- ६४, पाली में ६२ नये संक्रमित शामिल हैं। बता दें ?कि कोरोना को लेकर गुरूवार को राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस महेश चन्द्र शर्मा ने कहा था कि पूरी दुनिया में कोरोना वायरस से फैला संक्रमण एक चुनौती की तरह है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को लेकर नाराजगी जताई है कि लोग बिना मास्क के घूम रहे हैं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कर रहे हैं। मास्क नहीं पहन कर लोग न केवल अपना जीवन खतरे में डाल रहे हैं, बल्कि आसपास के लोगों का जीवन भी खतरे में डाल रहे हैं। जस्टिस शर्मा ने कहा कि मास्क नहीं लगाकर घूमना दूसरे व्यक्तिके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की भावना के अनुसार सभी लोगों से कोरोना संबंधी गाइडलाइंस की कड़ाई से पालन करने का अनुरोध किया है।

सार-समाचार

कपड़ा फैक्ट्री में लगी आग से दहशत

जयपुर (एजेंसी)। सांगानेर इलाके में कपड़ा फैक्ट्री में आग लगने से दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया। पुलिस ने आग से लाखों रूपए का नुकसान होना बताया है। पुलिस ने बताया कि तेजाजी का बाड़ा में स्थित कपड़ा फैक्ट्री में आग लगी। फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग की भीषण लपटों को उठता देखकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दो दमकलों की मदद से आग पर महज आधे घंटे की मशक्कत कर काबू पाया। पुलिस प्रथमदृष्टया आग शोर्ट सर्किट से लगना मान रही है।

हैल्थ प्रोटोकाल की पालना करें-लाठर

जयपुर (एजेंसी)। महानिदेशक पुलिस एम एल लाठर ने प्रदेश में कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिए हैल्थ प्रोटोकाल, रात्रिकालीन कफ्र्यू एवं समस्त प्रावधानों की अनिवार्य रूप से पालना करने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए मास्क लगाना, सोशल डिस्टेन्सिग रखना एवं हाथों की सफाई सहित अन्य सतर्कताएं बरतना जरूरी है।

लाठर ने बताया कि राजस्थान पुलिस द्वारा कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रदेश में लागू राजस्थान ऐपिडेमिक अध्यादेश की साथ ही अन्य सभी प्रावधानों के तहत प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए लागू राजस्थान एपिडेमिक अध्यादेश के तहत अब तक १० लाख ४८ हजार से अधिक व्यक्तियों का चालान किया जा चुका है। सार्वजनिक स्थलों पर मास्क नहीं लगाने पर ३ लाख ५५ हजार, बिना मास्क पहने लोगों को सामान बेचने पर १४ हजार ३१९, निर्धारित सुरक्षित भौतिक दूरी नहीं रखने पर ६ लाख ७४ हजार व्यक्तियों के चालान किये गये है। सार्वजनिक स्थलों पर थूकंने, शराब का सेवन करने एवं सार्वजनिक स्थलों पर गुटखा-तम्बाकू का सेवन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जा रही है। निशेधाज्ञा तथा क्वारंटाईन मापदण्डों का उल्लघंन करने पर ३ हजार ८४४ एफआईआर दर्ज कर अब तक ९ हजार ८९६ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

विभाग का प्रयास रहे कि कैसे सड़क दुर्घटनाएं रूके-सिंह

जयपुर (एजेंसी)। परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने परिवहन भवन में रोड सेफ्टी काउंसिल की १७ वीं बैठक में कहा कि विभाग का प्रयास होना चाहिए सड़क दुर्घटना को रोकने में राजस्थान राज्य पूरे देश भर में मॉडल बने तथा इस संबंध में जो योजनाएं बने वे समय बद्ध क्रियान्वित हों।

उन्होंने अधिकारियों को कहा की १०८ एंबुलेंस की समीक्षा होनी चाहिए तथा इस संबंध में विभागीय मीटिंग अति शीघ्र करवाई जाए। उन्होंने १०८ एम्बुलेंस के रेस्पोंस टाइम को १०-१५ मिनट से ८-१० मिनट किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए १५ करोड़ की लागत से सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में ट्रोमा सेंटर तथा स्किल लैब तैयार हो गई है तथा शीघ्र ही इसका शुभारंभ किया जाएगा। परिवहन मंत्री ने कहा कि मीटिंग के एजेंडों को सभी विभाग लागू करें जिससे सड़क सुरक्षा हो पाएगी । उन्होंने कहा कि हाईवे पर स्पीड देखने के लिए इंटरसेप्टर तथा कैमरा लगवाया जाए जिससे हाईवे पर चल रहे वाहन की स्पीड नोट हो जाए तथा सीधे घर पर ही ओवरस्पीडिंग के चालान आ जाएं। उन्होंने कहा कि बीआरटीएस से लगातार जाम लग रहा है तथा यह जयपुर की दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है तथा इस पर शीघ्र रोक लगनी चाहिए। उन्होंने बीआरटीएस कॉरिडोर समाप्त करने के संबंध में यूडीएच विभाग के साथ अलग से बैठक करने के निर्देश दिए।

१५ अधिकारी करेंगे मनरेगा कार्यों का निरीक्षण

जयपुर (एजेंसी)। महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) योजनान्तर्गत ''पूरा काम पूरा दाम़ऴळ विशेष अभियान के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए १५ अधिकारियों को निरीक्षण का जिम्मा सौंपा गया है। जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से १६ दिसम्बर, २०२० से १५ फरवरी, २०२१ तक ''पूरा काम पूरा दाम़ऴळ विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए उप वन संरक्षक एवं विभिन्न विभागों के अधिशासी अभियंताओं को निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। प्रत्येक अधिकारी आवंटित एक-एक पंचायत समिति के चयनित कार्यों का पखवाड़ेवार निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

रैली निकाल दिया जा रहा कोरोना से बचाव का संदेश

जयपुर (एजेंसी)। वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए जनसामान्य को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से चलाये जा रहे विशेष जनजागरूकता कार्यक्रमों के तहत रैली निकालकर, पम्पलेट वितरित कर एवं प्रेरणादायक स्लोगनों से आमजन को जागरूक किया गया।

अतिरिक्तजिला कलक्टर उत्तर बीरबल सिंह ने बताया कि महात्मा गांधी रा.उ.मा.वि. गांधीनगर जयपुर की संस्था प्रधान श्रीमती कुमुद शर्मा एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय मोचड़ा झोटवाड़ा जयपुर की संस्था प्रधान श्रीमती उषा जांगिड़ की ओर से विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसके तहत गांधीनगर क्षेत्र में अपेक्स मॉल, मंगलम मॉल, कैलाश मॉल, दिव्या मॉल, झोटवाड़ा क्षेत्र में आपणी दुकान, बेनीवाल चौराहा पर रंगोली बना, रैली निकाल, पम्पलेट वितरण कर प्रेरणादायक स्लोगनों के साथ आमजन, दुकानदारों, गार्डों व मजदूरों को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक किया।

साथ ही मास्क विहीन लोगों को मास्क वितरण का कार्य किया गया। आपणी दुकान बेनीवाल चौराहा पर पार्षद वार्ड न. २ केशर शर्मा ने मास्क वितरण के साथ सोशल डिस्टेंसिंग पर बल दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भाजपा नेताओं ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ विभिन्न इलाकों में किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली। भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अरविंद केजरीवाल सरकार के खिलाफ शनिवार को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रदर्शन किया और पार्टी शासित निगमों की पूर्ण बकाया राशि जारी करने की मांग की। बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र में प्रदर्शन करते हुए प्रदेश भाजपा प्रमुख आदेश गुप्ता ने कहा कि पार्टी तब तक पीछे नहीं हटेगी जबतक केजरीवाल तीनों निगमों का 13,000 करोड़ रुपये का बकाया नहीं दे देते।

भाजपा शासित तीनों- उत्तर, दक्षिण और पूर्वी- दिल्ली नगर निगमों के महापौर और नेता करीब एक हफ्ते से मुख्यमंत्री आवास के बाहर बेमियादी धरने पर बैठे हैं। गुप्ता ने कहा कि भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में प्रदर्शन के जरिए बकाया राशि के भुगतान की मांग की है। दिल्ली प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रमुख एवं उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने खजूरी चौक पर प्रदर्शन में हिस्सा लिया। आप ने कहा है कि निगमों की सभी बकाया राशि का भुगतान किया जा चुका है और आरोप लगाया है कि भाजपा नेताओं का भ्रष्टाचार और अक्षमता , आर्थिक गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार है।

जनसंख्या नियंत्रण की जनहित याचिका पर केंद्र ने कहा, परिवार नियोजन के लिए बाध्य नहीं कर सकते

नयी दिल्ली। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि भारत देश के लोगों पर जबरन परिवार नियोजन थोपने के साफ तौर पर विरोध में है और निश्चित संख्या में बच्चों को जन्म देने की किसी भी तरह की बाध्यता हानिकारक होगी एवं जनसांख्यिकीय विकार पैदा करेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शीर्ष अदालत में पेश हलफनामे में कहा कि देश में परिवार कल्याण कार्यक्रम स्वैच्छिक है जिसमें अपने परिवार के आकार का फैसला दंपती कर सकते हैं और अपनी इच्छानुसार परिवार नियोजन के तरीके अपना सकते हैं। उसने बताया कि इसमें किसी तरह की अनिवार्यता नहीं है। भाजपा नेता एवं अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की जनहित याचिका पर प्रतिक्रिया में यह बात कही गई है। याचिका में दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें अदालत ने देश की बढ़ती आबादी पर नियंत्रण के लिए दो बच्चों के नियम समेत कुछ कदमों को उठाने की मांग करने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। मंत्रालय ने कहा कि 'लोक स्वास्थ्य' राज्य के अधिकार का विषय है और लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से बचाने के लिए राज्य सरकारों को स्वास्थ्य क्षेत्र में उचित एवं टिकाऊ तरीके से सुधार करने चाहिए।

कर्नाटक परिवहन निगम के कर्मचारियों की हड़ताल का तीसरा दिन, यात्रियों को हुई दिक्कत

बेंगलुरु। कर्नाटक परिवहन निगम के कर्मचारी शनिवार को लगातार तीसरे दिन भी हड़ताल पर रहे जिसके कारण राज्यभर में यात्री जगह-जगह फंसे रहे। बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम, उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम और उत्तर पूर्वी कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के कर्मचारी बृहस्पतिवार से हड़ताल पर हैं। हड़ताली कर्मचारियों की मांग है कि उनका वेतन राज्य सरकार के कर्मचारियों के बराबर की जाए तथा कोरोना वायरस से मौत होने की स्थिति में उन्हें कोविड-19 योद्धाओं को मिलने वाले मुआवजे के बराबर मुआवजा दिया जाए। परिवहन कर्मचारियों के ड्यूटी पर नहीं आने तथा राज्य के महत्वपूर्ण बस टर्मिनलों एवं तालुका मुख्यालयों पर प्रदर्शन करने के कारण बीएमटीसी और राज्य परिवहन निगम की कम बसें ही चल रही हैं।

राहुल गांधी ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- कृषि क़ानूनों को हटाने के लिए किसान भाइयों को और कितनी देनी होगी आहुति

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पिछले कुछ दिनों में 11 किसानों की मौत हो गई और इसके बाद भी केंद्र की भाजपा सरकार का

दिल नहीं पसीज रहा। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, ''कृषि क़ानूनों को हटाने के लिए हमारे किसान भाइयों को और कितनी आहुति देनी होगी?'' कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी इसी खबर का उल्लेख करते हुए दावा किया, '' पिछले 17 दिनों में 11 किसान भाईयों की शहादत के बावजूद निरंकुश मोदी सरकार का दिल नहीं पसीज रहा।'' उन्होंने यह सवाल भी किया, ''सरकार अब भी अन्नदाताओं नहीं, अपने धनदाताओं के साथ क्यों खड़ी है? देश जानना चाहता है - 'राजधर्म' बड़ा है या 'राजहठ'?'' कांग्रेस के दोनों नेताओं ने जिस खबर का हवाला दिया उसके मुताबिक, दिल्ली के निकट चल रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पिछले कुछ दिनों में बीमार होने के बाद 11 किसानों की मौत हो चुकी है।नई तकनीक से किसानों को लाभ मिलेगा।

कोरोना का टीका लगवाने के बाद अगर पी शराब तो बेअसर होगा टीका, विशेषज्ञों ने किया दावा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना का टीका लगवाने के बाद शराब से दूर रहना पड़ेगा। शराब पीने से टीका बेअसर साबित हो सकता है। विशेषज्ञों ने यह दावा किया है। उनका कहना है कि भारत बायोटेक द्वारा तैयार किए जा रहे 'कोवैक्सीन' को लगवाने के बाद 14 दिनों तक शराब के सेवन से परहेज करना होगा, वहीं रूस में तैयार 'स्पूतनिक-वी' लगवाने पर अगले दो महीने तक शराब पीना मना हो जाएगा।

इसी तरह मॉडर्ना का टीका लगवाने पर 42 दिनों तक शराब नहीं पी जा सकेगी। बंगाल के परिप्रेक्ष्य में कहे तो यहां शराब की बहुत ज्यादा बिक्री होती है। हर साल बीयर के ही 80 लाख केस बिकते हैं। एक केस में बीयर की 24 बोतलें होती हैं। वही देसी शराब की भी 1.4 करोड़ केस की बंगाल में बिक्री होती है, यानी बंगाल में कोरोना के टीके को सफल बनाने के लिए यहां के शराब प्रेमियों को भी बेहद संयमित होना पड़ेगा।

इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च के एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिकेबल डिजीज के प्रमुख डॉ. समिरन पांडे ने कहा कि कोरोना का टीका लगवाने पर शराब का सेवन नहीं किया जा सकेगा। चिकित्सकीय भाषा में अल्कोहल को 'इम्यूनो सप्रेसेंट' कहा जाता है। खून में अल्कोहल मिलने के बाद शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।

अल्कोहल शरीर में एंटीबॉडी तैयार करने के काम में बुरा असर डाल सकता है। शराब शरीर के फर्स्ट लाइन आफ डिफेंस को प्रभावित करता है। नियमित रूप से मद्यपान करने वालों के शरीर में इतनी तादाद में एंटीबॉडी नहीं बन पाएगी, जितनी बननी चाहिए। मेडिसीन विशेषज्ञ डॉ. अरिंदम विश्वास ने कहा कि कोरोना का टीका लगवाने के बाद ही नहीं, टीका लगवाने से कम से कम सात दिन पहले से शराब से तौबा करनी होगी। मॉडर्ना के टीके के लेबल में इस बात का साफ तौर पर उल्लेख भी किया गया है।

डॉ हर्षवर्धन ने 5 वां राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया जारी, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की जानकारी है इसमें शामिल

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने आज यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे को चिह्नित करने के लिए एक कार्यक्रम की अध्यक्षता की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि डॉ हर्षवर्धन ने 5 वां राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण भी जारी किया जिसमें भारत और इसके राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए जनसंख्या, स्वास्थ्य और पोषण के बारे में विस्तृत जानकारी शामिल है। बता दें कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के तहत लक्षित आबादी समूहों के निश्चित आंकड़ों को सतत विकास समूहों के साथ संरेखित करते हुए बढ़ती आयु के साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा इसके जोखिम कारकों पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया है।

फिक्की के सम्मेलन में पीएम मोदी बोले, आत्मनिर्भर भारत को सफल बनाने की दिशा में हो रहा काम

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) और वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया। वर्चुअल माध्यम से सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने प्रेरित भारत बनाने में उद्योग जगत की भूमिका पर अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा कि हम लोगों ने 2020 के मैच में तेज़ी के साथ बहुत कुछ बदलते देखा है। देश, दुनिया इतने उतार-चढ़ाव से गुजरी है कि कुछ वर्षों बाद जब हम कोरोना काल को याद करेंगे तो शायद यकीन ही नहीं आएगा। जितनी तेज़ी से हालात बिगड़े उतनी ही तेज़ी के साथ सुधर भी रहे हैं। आर्थिक संकेत आज आशाएं बढ़ा रहे हैं। कठिन समय के दौरान देश ने बहुत कुछ सीखा है और इसने हमारी आकांक्षाओं को और भी मजबूती प्रदान की है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस महामारी के समय भारत ने अपने नागरिकों के जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी, ज्यादा से ज्यादा लोगों का जीवन बचाया। आज इसका नतीजा देश भी देख रहा है और दुनिया भी देख रही है। भारत ने जिस तरह बीते कुछ महीनों में एकजुट होकर काम किया, नीतियां बनाई, निर्णय लिए हैं, स्थितियों को संभाला है। उसने पूरी दुनिया को चकित करके रख दिया है। पूरे देश ने महामारी से लड़ने में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। विदेशी निवेशकों ने कोरोना काल की अवधि के दौरान भारत में एफडीआई और पीएफआई में रिकॉर्ड निवेश किया है।

बता दें कि फिक्की के इस कार्यक्रम में प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क ने भी भाग लिया है। 11, 12 और 14 दिसंबर को होने को वाले इस मेगा कार्यक्रम में प्रभासाक्षी ने भी अपना स्टॉल स्थापित किया है। लॉबी 9 के एंटरटेनमेंट पवेलियन में प्रभासाक्षी का डेस्क है जहां आपको प्रभासाक्षी से सबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध होंगी। किसी भी जानकारी के लिए आप प्रभासाक्षी के सोशल मीडिया से भी जुड़ सकते है।

उद्धव का दावा, बाल ठाकरे का स्मारक राष्ट्रवाद को बढ़ावा देगा

औरंगाबाद। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि शिवसेना के दिवंगत प्रमुख बाल ठाकरे का स्मारक आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की भावना को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने शहर में 1,680.50 करोड़ रुपये की लागत वाली पानी की पाइप लाइन परियोजना के शिलान्यास समारोह में यह बात कही। बाल ठाकरे का स्मारक औरंगाबाद में स्थापित करने का प्रस्ताव है। ठाकरे ने औरंगाबाद में तीन अन्य परियोजनों- 152 करोड़ रुपये की लागत वाली शहरी सड़क परियोजना, 174 करोड़ रुपये की सफारी पार्क परियोजना और बाल ठाकरे के स्मारक का ऑनलाइन तरीके से शिलान्यास किया।

उद्धव ठाकरे ने कहा, ''शिवसेना के दिवंगत संस्थापक बालासाहेब ठाकरे का स्मारक आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की भावना को बढ़ावा देगा। यह उनके काम के बारे में भी बताएगा।'' उद्धव ने कहा, ''यह एक संयोग है कि मैं रिमोट से उस नेता के स्मारक का भूमि-पूजन कर रहा हूं, जिसे सत्ता का रिमोट कंट्रोल रखने के लिए जाना जाता था।'' उन्होंने कहा कि वह बहुप्रतीक्षित पानी की पाइपलाइन योजना के काम की समीक्षा करने के लिए कोई सूचना दिए बिना शहर का दौरा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समृद्धि एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का काम चल रहा था, तब शिवसेना किसानों के पास उनके मुद्दों को सुलझाने के लिए पहुंची थी।

उन्होंने कहा, ''हमने किसानों से मुलाकात की थी और उनकी समस्याओं का समाधान किया था। हमने उनके मुद्दों को लटकाए नहीं रखा था।'' औरंगाबाद हवाई अड्डे का नाम बदलने की योजना पर ठाकरे ने कहा, ''छत्रपति संभाजी के नाम पर हवाई अड्डे का नाम रखे जाने संबंधी प्रस्ताव राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया है और इसे केंद्र को भेज दिया गया है। मुझे विश्वास है कि इसे मंजूरी मिल जाएगी।

भारत में नहीं दिखेगा साल का अंतिम सूर्यग्रहण, मध्य प्रदेश में सूर्यग्रहण देखने के लिये करना होगा 2022 का इंतजार

भोपाल। (एजेंसी)।

अगहन मास की अमावस्या के अवसर पर अगले सोमवार यानी 14 दिसम्बर को साल का अंतिम सूर्य ग्रहण पड़ेगा। भारत में जब सूर्य अस्त हो रहा होगा, तब दक्षिण अमेरिका, दक्षिण पश्चिम अफ्रीका, अटलांटिक, हिन्द और प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में पूर्ण सूर्यग्रहण (टोटल सोलर इकलिप्स) देखा जा सकेगा। यह इस साल का अंतिम सूर्य ग्रहण होगा। भारत में सूर्य अस्त होने के बाद यह खगोलीय घटना घटेगी, इसलिए इसे यहां नहीं देखा जा सकेगा।

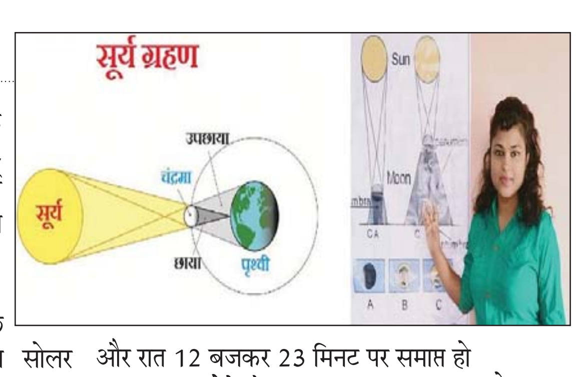

भोपाल की राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश में शाम लगभग 05 बजकर 36 मिनट पर सूर्यास्त हो जाने के बाद 7 बजकर 03 मिनट की स्थिति में पूर्ण सूर्य ग्रहण आरंभ होगा, जो कि 9 बजकर 43 मिनट पर अधिकतम होगा और रात 12 बजकर 23 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। रात होने के कारण यह ग्रहण भारत में तो नहीं दिखेगा, लेकिन चिली और अर्जेन्टीना में ठीक से देखा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि पृथ्वी के सूर्य की परिक्रमा लगाने के कारण इस ग्रहण के अगले ही दिन सूर्य धनु राशि तारामंडल के सामने आता दिखेगा। सूर्य जब किसी राशि तारामंडल में प्रवेश करता है तो उसे सक्रांति कहा जाता है। सारिका ने बताया कि इसके पहले भारत में साल के सबसे लंबे दिन 21 जून को सूर्य ग्रहण दिखा था। मध्य प्रदेश में अब आंशिक सूर्यग्रहण 25 अक्टूबर 2022 की शाम को सूरज डूबने के पहले दिखेगा। अगर आप 2021 में सूर्य ग्रहण देखना चाहते हैं तो 10 जून 2021 को होने जा रहे वलयाकार सूर्यग्रहण (एन्यूलर सोलर इकलिप्स) के लिये कनाडा-ग्रीनलैंड की सैर करनी होगी या फिर 04 दिसम्बर 2021 को आस्ट्रेलिया के शहरों में आंशिक ग्रहण (पार्शियल सोलर इकलिप्स) देखा जा सकेगा।

क्या होता है सूर्य ग्रहणः सारिका ने बताया कि जब सूर्य और पृथ्वी के बीच से होकर परिक्रमा करता हुआ चंद्रमा निकलता है तो वह सूरज की कुछ या पूर्ण रोशनी को किसी एक भू-भाग पर आने से रोक लेता है। इस दौरान पृथ्वी के उस भाग पर रहने वाले लोगों को कुछ समय तक सूर्य या तो पूरी तरह नहीं दिखाई देता अथवा आंशिक दिखाई देता है। इस खगोलीय घटना को ही सूर्य ग्रहण कहते हैं। आगामी 14 दिसम्बर का यह ग्रहण पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा।

Delhi Archives में शुरू होने जा रहे है प्रोफेशनल कोर्सेज, रोजगार के बढेंगे अवसर

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अगले महीने यानि की जनवरी से, दिल्ली अभिलेखागार विरासत टूर गाइड और रिकॉर्ड प्रबंधन-संरक्षण के लिए प्रोफेशनल कोर्सेज शुरू करने जा रहा है। काला कुंज की आधारशिला रखते हुए, गुरुवार को दिल्ली अभिलेखागार एनेक्सी एंड कल्चरल हब, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रबंधन और अभिलेखों के संरक्षण के लिए एक लघु कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन किया, जो कुतुब में दिल्ली अभिलेखागार मुख्यालय में स्थापित किया गया है।

बता दें कि इन कोर्सेज से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है। यह प्रशिक्षण केंद्र प्रिमेरो कौशल और प्रशिक्षण के सहयोग से संचालित किया जाएगा। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों कोर्सेज तीन महीने की अवधि के होंगे और पहले बैच जनवरी से शुरू होने की संभावना है। हेरिटेज टूरिस्ट गाइड प्रोग्राम के प्रत्येक बैच में 30 छात्र होंगे, जबकि दूसरे प्रोग्राम में 60 छात्र होंगे, जिनमें से 50/ सीटें सरकारी कर्मचारियों के लिए आरक्षित हो सकती हैं।

कुछ सरकारी कार्यालयों में, पुराने दस्तावेजों के बंडलों को खराब तरीके से रखा और संरक्षित किया जाता है, जबकि कुछ कार्यालयों में उन्हें अच्छी तरह से संरक्षित किया जाता है। सिसोदिया ने कहा कि कुछ स्पेशल अधिकारियों और उनके पेशेवर प्रशिक्षण के कारण यह संभव है। 'इसलिए दिल्ली अभिलेखागार में हर तीन महीने में 60 युवा पेशेवरों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे ये रिकॉर्ड भविष्य की पीढ़ियों के लिए पेशेवर तरीके से उपलब्ध हो पाए।' उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हमारी विरासत को अभिलेखों के रूप में संरक्षित करना आवश्यक है। यह इस देश की समृद्ध अभिलेखीय विरासत और इतिहास के संरक्षण में एक समर्पित स्थान सुनिश्चित करेगा ताकि भविष्य की पीढ़ियों को संस्कृति से जोड़ा जा सके'।अधिकारी ने कहा कि 'विरासत पर्यटन गाइड प्रोग्राम उन युवाओं की जरूरतों को पूरा करेगा जो इस कैरियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं,'।

किसान आंदोलन पर दुष्यंत चौटाला का बड़ा बयान, कहा- अगले 48 घंटे में निकल सकता है समाधान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

तीन कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार और प्रदर्शन कर रहे किसानों के बीच जारी गतिरोध को लेकर हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शनिवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले 24 से 48 घंटे में केंद्र और किसान संगठनों के बीच अगले दौर की वार्ता होगी। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से यहां मुलाकात करने के बाद चौटाला ने कहा कि जबतक वह राज्य सरकार का हिस्सा हैं, प्रत्येक किसान की फसल की खरीद सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सुनिश्चित की जाएगी। चौटाला ने इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, खाद्य-रेलवे-वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार फिलहाल स्थिर है और उनकी पार्टी का एमएसपी के मुद्दे पर ठोस रुख है। उल्लेखनीय है कि चौटाला पर विपक्षी पार्टियों और हरियाणा के कुछ किसानों का भाजपा नीत राज्य सरकार से इस्तीफा देने का दबाव है। उन्होंने पहले कहा था कि अगर एमएसपी व्यवस्था को खतरा उत्पन्न हुआ, तो वह इस्तीफा दे देंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या हरियाणा की गठबंधन सरकार स्थिर है, चौटाला ने शनिवार को कहा, ''हां...जबतक हम एमएसपी सुनिश्चित करते हैं तबतक हम स्थिर रहेंगे।'' जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता ने कहा, '' मुझे उम्मीद है कि अगले 24 से 40 घंटे में नए दौर की वार्ता होगी और कुछ निर्णायक बयान सामने आएंगे।'' . चौटाला ने बताया कि उन्होंने सुबह राजनाथ सिंह और पीयूष गोयल से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, ''हम सभी को बैठकर मुद्दे का हल करने की जरूरत है... जिस तरह से केंद्र सरकार, प्रदर्शनकारी किसानों से बात कर रही है और किसान संगठनों की मांग पर 24 पन्नों का जवाब दिया है, उसे देख मैं आशान्वित हूं कि आपसी सहमति से इस मुद्दे का समाधान निकल जाएगा।'' चौटाला ने कहा, ''संवाद से ही समाधान निकलेगा। उम्मीद पर दुनिया कायम है।'' उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले दौर की वार्ता जल्द होगी और दोनों तरफ से कुछ सकारात्मक नतीजा आएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार एमएसपी के संबंध में लिखित आश्वासन को वैधानिक मान्यता देगी तो उप मुख्यमंत्री ने कहा, ''जो भी वे मांग करते हैं।''

हरियाणा में राज्य सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्षी पार्टियों की धमकी पर चौटाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस तरह का बयान दे रही है। पंजाब और हरियाणा के किसान संगठनों को आशंका है कि नये कृषि कानूनों से एमएसपी व्यवस्था खत्म हो जाएगी। इस व्यवस्था के तहत सरकारी एजेंसियां एक निश्चित कीमत पर किसानों की फसलें खरीदती हैं। केंद्र ने बुधवार को किसानों को दिये गए अपने प्रस्ताव में कहा था कि एमएसपी व्यवस्था बरकरार रहने के संबंध में वह लिखित आश्वासन देने और उनकी अन्य मांगों का समाधान करने को तैयार है। हालांकि, किसान संगठन तीनों कृषि कानूनों को पूरी तरह वापस लिये जाने की मांग कर रहे हैं और उन्होंने अपने आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)